सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-135
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 20 अगस्त 2024

आज का विचार

किस्मत के पन्ने वही पलटता है, जो दिन रात मेहनत करता है!

23 अगस्त को पहली बार यूक्रेन जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा करेंगे। रूस के साथ युद्ध शुरू होने के बाद पीएम मोदी का यह पहला यूक्रेन दौरा होगा। यह दौरा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मास्को में उनकी मुलाकात के लगभग एक महीने बाद हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम बाद में साझा किया जाएगा। यूक्रेन 1991 में अलग देश बना था। उसके बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की यात्रा नहीं की है। प्रधानमंत्री यूक्रेन से पहले 21 और 22 अगस्त को पोलैंड में रहेंगे। पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली पोलैंड यात्रा है। इससे पहले 1979 में मोरारजी देसाई वहां गए थे। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री के यूक्रेन जाने की जानकारी दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने भी एक बयान में कहा कि 23 अगस्त को यूक्रेन के राष्ट्रीय ध्वज दिवस पर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। बयान में आगे कहा गया है कि यात्रा के दौरान विशेष रूप से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बातचीत होगी। इसके अलावा, उम्मीद है कि इस दौरान यूक्रेन और भारत के बीच कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत, रूस और यूएसए के बीच उलझी हुई स्थिति है। भारत, यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान की निंदा करने से बच रहा है। भारत पड़ोसी देशों से बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष को सुलझाने का आग्रह करता रहा है। हालांकि, अमेरिका को रूस के साथ भारत के संबंधों पर चिंता है। अमेरिका, चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना चाहता है। ऐसे में भारत, पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को गहरा करना चाहता है, लेकिन साथ ही अपने पुराने मित्र रूस के साथ भी संबंध बनाए रखना चाहता है। भारत के लिए यह एक नाजुक स्थिति है।

कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केसः सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई, डॉक्टरों की हड़ताल 9वें दिन भी जारी

सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के रेप और हत्या के मामले में स्वत- संज्ञान याचिका पर सुनवाई करेगा। यह सुनवाई 20 अगस्त को सुबह 10:30 बजे निर्धारित की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, इसे सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई सूची में सबसे ऊपर रखा गया है। इस बीच, देश भर में मंगलवार को 9वें दिन भी इस घटना के खिलाफ डॉक्टरों की हड़ताल जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया है मामले का स्वत- संज्ञान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस घटना का संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की सुनवाई को प्राथमिकता दी चाहिए। इस मामले में पिटीशन डॉक्टर के साथ हुई ज्यादती और अस्पतालों में सुरक्षा के महत्व को देखते हुए दर्ज की गई है। हालांकि, कोलकाता हाई कोर्ट ने पहले ही मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वत- संज्ञान लिया है।

डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून की मांग इस मामले में डॉक्टरों की बॉडीज, जैसे फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टेंट्स ऑफ इंडिया और फेडरेशन ऑफ रेसिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने भी सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की है। अपनी याचिका में अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा और मेडिकल सुविधाओं के जोखिम भरे माहौल पर चिंता व्यक्त की है। इन बॉडीज ने केंद्र सरकार से डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई डॉक्टर से दुष्कर्म की पुष्टि 9 अगस्त को, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक 31 वर्षीय पोस्टग्रेजुएट डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर के साथ रेप की पुष्टि हुई थी। इस भयावह घटना के बाद, देशभर में डॉक्टरों ने अस्पतालों के अंदर अधिक सुरक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की। 13 अगस्त को, कोलकाता हाई कोर्ट ने मामले की जांच कोलकाता पुलिस से सीबीआई को सौंप दी।

अपना काफिला छोड़कर उबर कैब में बैठे राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को अपना काफिला छोड़ दिया। उन्होंने खुद अपने मोबाइल से उबर कैब बुक की और ड्राइवर की बगल वाली सीट में बैठकर 10 जनपथ तक का सफर तय किया। इसे लेकर राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर एक वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में राहुल गांधी और ड्राइवर बातचीत करते नजर आ रहे हैं। जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उबर कैब से सफर किया, उस दौरान उन्होंने टैक्सी ड्राइवर से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें 10 जनपथ छोड़ा। इसके लिए राहुल गांधी ने 438 रुपए किराया दिया। इस दौरान दोनों के बीच करीब 12 मिनट तक बातचीत हुई। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम, ये है भारत के गिग वर्कर्स की व्यथा। सुनील उपाध्याय के साथ उबर यात्रा के दौरान चर्चा की और फिर उनके परिवार से मिलकर देश के कैब ड्राइवर, डिलीवरी एजेंट की समस्याओं का जायजा लिया। 'हैंड टू माउथ इनकम' में इनका गुजारा तंगी से चल रहा है। न कोई बचत और न ही परिवार के भविष्य का आधार। इनके समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोस नीतियां बनाकर न्याय करेंगी और इंडिया गठबंधन पूरे संघर्ष के साथ इसका देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा। राइड खत्म होने के बाद राहुल ने ड्राइवर को गिफ्ट दिया। बाद में उसके परिवार को नाश्ते के लिए इनवाइट किया। राहुल एक रेस्टोरेंट में परिवार से मिलने गए।

मप्र में रिश्वतखोरों पर सीबीआई का एक्शनः नॉर्दर्न कोल फील्ड्स लि. में आपूर्ति किए गए कई सौ करोड़ रुपए के स्पेयर पार्ट्स में गोलमाल, एनसीएल अधिकारियों के यहां छापेमारी, छापे में मिले 5 करोड़ 50 लाख रुपए, एनसीएल अधिकारियों सहित पांच गिरफ्तार

कोयले में 'काला खेल'

भ्रष्टाचार की जांच कर रहा अधिकारी खुद निकला भ्रष्ट! सीबीआई ने अपने ही डीएसपी को किया गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में एनसीएल यानी नॉर्दर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों पर सीबीआई ने शिकंजा कस दिया है। दो दिन चली छापेमार कार्रवाई के बाद सीबीआई ने खुलासा किया है कि 3.85 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने एनसीएल के अधिकारियों को गिरफ्तार कर करीब चार करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। इस मामले में रिश्वत लेने के आरोप में सीबीआई के ही एक डीएसपी को भी अरेस्ट किया गया है। एनसीएल के प्रबंधक (सचिवालय) और सीएमडी के निजी सचिव सूबेदार ओझा को गिरफ्तार किया है। साथ ही तलाशी में 3.85 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। यह राशि कथित तौर पर एनसीएल, सिंगरौली में उनके संचालन के लिए कई ठेकेदारों और अधिकारियों से उनके पक्ष में एकत्र की गई थी। सीबीआई ने सिंगरौली स्थित मेसर्स संगम इंजीनियरिंग के बिचौलिये और मालिक रविशंकर सिंह को भी गिरफ्तार किया है। वह कथित तौर पर विभिन्न ठेकेदारों/व्यापारियों और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के कई अधिकारियों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर रहा था। एनसीएल के इन अधिकारियों को रिश्वत पहुंचाने और उन्हें सुविधा प्रदान कर रहा था। रविशंकर सिंह के सहयोगी दिवेश सिंह को भी सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। जबलपुर में पदस्थ सीबीआई के डीएसपी जॉय जोसेफ दामले को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि अपने पक्ष में रिपोर्ट हासिल करने के लिए जेजे दामले को दिवेश सिंह ने पांच लाख रुपये की रिश्वत दी थी। रविशंकर सिंह और उनके सहयोगी एनसीएल के अधिकारियों और जेजे दामले के बीच दिवेश सिंह बिचौलिया का काम कर रहा था। एनसीएल पीआरओ रामविजय सिंह से इस मामले पे पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है इसलिए इसकी पुष्टि नहीं कर सकते।

यह है घूसखोरी का पूरा मामला

नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सिंगरौली में सामान की अपूर्ति और अन्य भ्रष्टाचार के मामले की जांच कर रहे जबलपुर सीबीआई कैडर के डीएसपी जॉय जोसेफ दामले को दिल्ली से पहुंची सीबीआई टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। शनिवार रात को डीएसपी को पकड़े जाने के बाद सीबीआई मुख्यालय के निर्देश पर रविवार को जांच एजेंसी की टीम ने एनसीलए के दो अधिकारियों और एक सप्लायर के आवास पर छापेमारी की। सूत्र बताते हैं कि सीबीआई के रडार पर कोयला क्षेत्र का बड़ा नेक्सेस है। मामला विदेशी मशीनों के लिए आपूर्ति किए गए कई सौ करोड़ रुपये के स्पेयर पार्ट्स में गोलमाल से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि सिंगरौली में की गई यह छापेमारी एनसीएल में हुए करोड़ों रुपये के फर्जी भुगतान से जुड़ी हुई है। एनसीएल के अधिकारियों ने उपकरण खरीदे बिना यह भुगतान कर दिया। इसके टेंडर में भी हेरा-फेरी की आंशका जताई जा रही है। इस मामले में सीबीआई ने एक दिन पहले अपने भी डीएसपी को गिरफ्तार किया। यह डीएसपी जबलपुर यूनिट में पदस्थ है

रविवार के बाद सोमवार को भी अधिकारियों के यहां दबिश

सोनभद्र जिले में यूपी-एमपी की सीमा पर स्थित कोयला क्षेत्र में शनिवार रात से शुरू सीबीआई की कार्रवाई तीसरे दिन सोमवार को भी जारी रही। सीबीआई की टीम ने सोमवार को भी एनसीएल के दो अधिकारियों सुनील प्रसाद सिंह और रवींद्र प्रसाद के घर पर भी दबिश दी। इस दौरान टीम ने जरूरी दस्तावेज खंगाले। सोमवार सुबह 7 बजे सीबीआई की टीम ने एनसीएल के निदेशक तकनीक योजना एवं परियोजना सुनील प्रसाद सिंह और मुख्य सुरक्षा अधिकारी रवींद्र प्रसाद के आवास पर दबिश दी। बताया जा रहा है कि रवींद्र प्रसाद अपने घर से नदारद मिले। उनके फरार होने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद स्थानीय पुलिस टीम को उनके घर पर तैनात कर दिया गया है। जिसे सख्त निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति बंगले पर प्रवेश नहीं करें। वहीं एनसीएल के निदेशक तकनीक योजना एवं परियोजना सुनील प्रसाद सिंह के घर सीबीआई की तीन सदस्यीय टीम ने पहुंचकर जांच की।

सूबेदार ओझा के हाथों भेजी गई रिश्वत की रकम

सीबीआई का कहना है कि 16 अगस्त को रविशंकर सिंह के निर्देश पर रवि सिंह के कर्मचारी अजय वर्मा ने लेफ्टिनेंट कर्नल बसंत कुमार सिंह से पांच लाख रुपये की रिश्वत ली थी। रिश्वत की रकम कथित तौर पर सूबेदार ओझा ने भेजी थी। 17 अगस्त को रविशंकर सिंह ने दिवेश सिंह को यह रकम सीबीआई के डीएसपी जेजे दामले तक पहुंचाने को कहा था। सीबीआई ने इस मामले में सिंगरौली, जबलपुर और नोएडा में कई स्थानों पर तलाशी ली गई।

किसका क्या रोल?

रविशंकर सिंह सीबीआई के अनुसार सिंगरौली स्थित मेसर्स संगम इंजीनियरिंग के बिचौलिए और मालिक रविशंकर सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर विभिन्न ठेकेदारों, व्यापारियों और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कई अधिकारियों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर रहा था। आरोप है कि वह नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों को रिश्वत पहुंचाने और उन्हें सुविधा देने का काम कर रहा था।

दिवेश सिंह सीबीआई ने रविशंकर सिंह के सहयोगी दिवेश सिंह को भी अरेस्ट किया है। दिवेश जबलपुर में सीबीआई के अफसर को 5 लाख रुपए की रिश्वत देने गया था। तभी उसे गिरफ्तार किया गया। रविशंकर सिंह और दिवेश सिंह, एनसीएल (नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) के अधिकारियों और सीबीआई के डीएसपी के बीच बिचौलिए के रूप में काम कर रहे थे।

जॉय जोसेफ दामले सीबीआई ने लंबित शिकायतों और जांच के मामलों में अनुकूल रिपोर्ट देने के मामले में जबलपुर सीबीआई, एसीबी ब्रांच के उप पुलिस अधीक्षक जॉय जोसेफ दामले को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेने हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

-रविशंकर सिंह, मेसर्स संगम इंजीनियरिंग, सिंगरौली (मप्र) के निदेशक
-लेफ्टिनेंट कर्नल बसंत कुमार सिंह (सेवानिवृत्त), प्रबंधक (प्रशासन), एनसीएल, सिंगरौली
-सुबेदार ओझा, प्रबंधक (सचिवालय), एनसीएल, सिंगरौली
-दिवेश सिंह, निजी व्यक्ति (रविशंकर सिंह के सहयोगी)
-जॉय जोसेफ दामले, डीएसपी, सीबीआई, एसीबी, जबलपुर

डॉ. मोहन सरकार आज तबादला नीति पर लग सकती है मुहर

मप्र में 15 दिन के लिए ट्रांसफर से हटेगी रोक!

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा होगी। इसमें सबसे अहम प्रदेश की तबादला नीति है। कैबिनेट में तबादला नीति के प्रारूप पर मुहर लग सकती है। इसमें 15 दिन के लिए ट्रांसफर से रोक हटेगी। दरअसल, मध्यप्रदेश सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों के लिए नई नीति का मसौदा तैयार किया है, जिसमें जिले के भीतर और बाहर तबादलों के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं।

इस नीति में विशेष रूप से प्रभारी मंत्री और विभागीय मंत्री की स्वीकृति की आवश्यकता को प्रमुखता दी गई है। नीति के अनुसार, कुछ तबादले मुख्यमंत्री की सहमति से किए जाएंगे, जबकि शिक्षा विभाग के तबादले इस ड्रॉफ्ट में शामिल नहीं किए गए हैं। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा किए जाएंगे। जिले के अंदर ट्रांसफर प्रभारी मंत्री करेंगे। इसके लिए ऑनलाइन या कार्यालय प्रमुख को आवेदन देना होगा। एक साल या उससे कम समय में रिटायर होने वाले कर्मचारियों का तबादला नहीं किया जाएगा। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त कर्मचारियों के तबादले उनकी चिकित्सा आवश्यकताओं के आधार पर किए जाएंगे। जिन जिलों में लिंगानुपात कम है, वहां महिला अधिकारियों की पोस्टिंग को प्राथमिकता दी जाएगी। नई नीति में अनुसूचित क्षेत्रों के खाली पदों को प्राथमिकता से भरे जाने का प्रावधान है।

स्कूल शिक्षा विभाग में फिलहाल तबादलों को रोक दिया गया है। उच्च पद के प्रभार देने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही विभाग तबादलों पर विचार करेगा। इस समय, बोर्ड परीक्षाओं और स्थानीय परीक्षाओं के चलते पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया गया है। डीएसपी और उनसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले पुलिस स्थापना बोर्ड के दिशा-निर्देशों और विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद मुख्यमंत्री की स्वीकृति से किए जाएंगे।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

250 वर्ष पुराने बरगद के पेड़ को 2008 में किया गया था ट्रांसप्लांट...

इंदौर। शहर को जरा इस नजर से भी देखो श्रृंखला में इस बार उस विस्थापन की कहानी जहां जिंदगी निराश नहीं हुई बल्कि और भी मुस्कुराई है। विकास के नाम पर 16 वर्ष पहले पलासिया चौराहे से बरगद के विशाल वृक्ष को हटाया जाना था। उसे काटने के बजाय ट्रांसप्लांट करने का निर्णय लिया और राऊ स्थित शैक्षणिक संस्थान में लगाया गया। आज वह वृक्ष वहां और भी ज्यादा विशाल आकार ले चुका है। बीआरटीएस जिसे पहले एबी रोड कहा जाता था। यहां शहर के प्रमुख चौराहों में से एक पलासिया चौराहे पर 250 वर्ष पुराना बरगद का विशाल पेड़ था। इसी पेड़ की छाया में दर्जनभर से अधिक ठेले गुमटियों की छोटी चौपाटी भी संचालित होती थी। लोक परिवहन का हर एक साधन ही से उपलब्ध होता था। सड़क विस्तार को लेकर इस विशाल पेड़ को काटने का निर्णय लिया गया। तैयारी भी पूरी हो गई। लेकिन इस बीच एक निजी कालेज सामने आया और पेड़ का ट्रांसप्लांट करने का प्रस्ताव रखा। कई विशेषज्ञों की राय के बाद पेड़ ट्रांसप्लांट करने पर सहमति बनी। लेकिन यह इतना आसान काम नहीं था। एक सितंबर 2008 को बरगद के पेड़ को कॉलेज परिसर में ट्रांसप्लांट किया गया था। तीन माह तक विशेषज्ञों की राय अनुसार पेड़ की देखरेख की गई। करीब तीन माह बाद पेड़ में नई कोपलें आने लगी। यह देख कॉलेज प्रशासन खुशी से झूम उठा। वर्तमान में यह पेड़ दोबारा अपने पुराने तेवर में आ गया है। पेड़ की छांह अब वाहन पार्क करने में आती है,तो दोपहर में कॉलेज के बच्चे यहां आकर पढ़ते भी हैं।

लिफ्ट में फंसे 8 लोग... मदद के लिए लगाई आवाज, रहवासियों ने निकाला बाहर

इंदौर। प्रशासन शहर की बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई बार आदेश निकाल चुका है, लेकिन इसका कहीं भी पालन होते नजर नहीं आ रहा है। सोमवार शाम को स्कीम नंबर 140 स्थित ग्रैंड एक्सोटिका सनशाइन बिल्डिंग की लिफ्ट पांचवीं मंजिल के पास अचानक फंस गई। इस दौरान लिफ्ट के अंदर आठ लोग मौजूद थे। ये सभी लोग घबरा गए और मदद के लिए आवाज लगाने लगे। इसके बाद रहवासी आवाज सुनकर बाहर आए। लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुल रहा था, काफी देर बाद उसे खोल पाए। इसके बाद एक-एक को हाथ पकड़कर खींचा और मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। यह सभी लोग दसवीं मंजिल से नीचे उतर रहे थे। लिफ्ट में बुजुर्ग और महिलाएं भी मौजूद थीं। जिस समय यह घटना हुई तब कोई भी सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस मामले में पुलिस को भी शिकायत की गई है। फिलहाल लिफ्ट खराब होने का कारण सामने नहीं आया है।

शहर के बीच में एक साल में खड़ा किया जंगल... साढ़े सात हजार पौधे हुए पल्लवित

इंदौर। स्वच्छता का ताज पहनने वाले इंदौर में अब हरियाली बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। हाल ही में इंदौर जिले में 51 लाख पौधे लगाए गए। बड़ी बात यह रही कि एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड भी इंदौर में बनाया गया। हरियाली बढ़ाने की इस मुहिम में इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा भी वृहद योगदान दिया जा रहा है। आईडीए ने अपनी योजनाओं में हरियाली का क्षेत्र बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। इतना ही नहीं विगत वर्ष स्कीम नंबर 78 में फारेस्ट सिटी परियोजना में लगाए गए साढ़े सात हजार पौधे अब पल्लवित हो चुके हैं और क्षेत्र का सौंदर्य व पर्यावरण सहेज रहे हैं। शहर के बीच में एक साल में जंगल खड़ा कर दिया। आईडीए ने इस वर्ष भी तीन योजनाओं के 10 गार्डन में मियावाकी पद्धति से पौधे लगाए हैं। यह पौधे टीपीएस-पांच के छह गार्डन, टीपीएस-आठ के दो गार्डन और टीपीएस-तीन के दो गार्डन में लगाए गए हैं। मियावाकी पद्धति का नाम एक जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी के नाम पर रखा गया है। मियावाकी पद्धति में हर वर्ग मीटर में दो से चार अलग-अलग प्रकार के देशी पेड़ लगाए जाते हैं। मियावाकी पद्धति को 1970 के दशक में विकसित किया गया था। इस पद्धति? का मूल उद्देश्य जमीन के एक छोटे से हिस्से में हरियाली को बढ़ाना है।

इंदौर में रेडिसन, मधुमिलन, बाणगंगा, गीता भवन, पलासिया सहित 20 चौराहों पर बनेंगे फ्लाईओवर

इंदौर । इंदौर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे सड़कों पर यातायात का दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। भविष्य में चौराहों पर यातायात का दबाव कम करने के लिए व्यस्तम 20 चौराहों पर फ्लाईओवर और ग्रेड सेपरेटर की योजना पर काम किया जा रहा है। आईडीए और नगर निगम इन चौराहों का सर्वे कर जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में इसका अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इन चौराहों में मधुमिलन, रेडिसन, बाणगंगा सहित एबी रोड के शिवाजी वाटिका, गीता भवन, पलासिया और एलआईजी भी शामिल हैं। एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर के स्थान पर फ्लाईओवर की संभावना भी तलाशी जा रही है। कलेक्टर ने शनिवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई।

इंदौर में गुंडे ने आदिवासी युवक को पीटा, जूते के लेस बंधवाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ क्षेत्र में एक आदिवासी युवक के साथ हिस्ट्रीशीटर गुंडे ने मारपीट की। गुंडा अपनी बाइक से युवक को कट मारते हुए निकला था। युवक ने विरोध किया तो गुंडे रितेश राजपूत ने न केवल युवक के साथ मारपीट की बल्कि उससे अपने जूतों के लेस भी बंधवाए। गुंडे के साथ उसका एक दोस्त और युवती भी मौजूद थी। गुंडे के खिलाफ अलग-अलग थानों में दस से ज्यादा प्रकरण दर्ज हैं। अब उसके खिलाफ एक और प्रकरण दर्ज हो गया। पिटाई के शिकार हुए युवक ने पुलिस को बताया कि उसका सैलून है। वह उसे बंद कर घर की तरफ पैदल जा रहा था। तभी रितेश ने उसे बाइक से कट मारा। युवक ने उसे आवाज देकर कहा कि गाड़ी ठीक से चला। इसके बाद रितेश ने अपनी बाइक पलटी और युवक के पास आकर उसकी कॉलर पकड़ ली।

युवक ने विरोध किया तो रितेश ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। रितेश के साथ दूसरी बाइक पर उसका दोस्त और एक युवती थी। उन्होंने भी रितेश को मारपीट करने से नहीं रोका। मार से बचने के लिए युवक भागने लगा तो तीनों ने उसका पीछा किया और उसे फिर रोका। युवक को दुकान के सामने जाकर उसके साथ मारपीट भी की गई। गुंडे रितेश ने युवक से अपने जूते के लैस भी बंधवाए। इसकी शिकायत पीड़ित युवक ने भंवरकुआ थाने में की है। आरोपी रितेश के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा

आदिवासी युवक हाथ जोड़कर उससे माफी मांगता रहा, लेकिन वह फिर भी नहीं रुका। इसके बाद वह खुद को बचाने के लिए भागने लगा। तो आगे एक दुकान के पास उसे रोक लिया। मारपीट करते हुए उससे जूते की लेस बंधवाने लगा।

इसी दौरान उसका एक साथी युवती के साथ वहां आया। यहां आते ही उसने भी युवक के साथ मारपीट की और फिर उससे जूते की लेस बंधवाई। युवक हाथ जोड़कर छोड़ने के लिए बार-बार आरोपितों से गुहार लगाता रहा। लेकिन इसके बाद भी आरोपित पीछे नहीं हटे।

लिस्टेड गुंडा है रितेश राजपूत

इस दौरान मौके पर खड़ी युवती भी तमाशा देखती रही। घटना की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं बदमाश दुकानदार को भी धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि आरोपित रितेश राजपूत लिस्टेड गुंडा है। उसके खिलाफ 10 से अधिक प्रकरण दर्ज है।

पुलिस ने आरोपी का जुलूस निकाला पुलिस ने मुख्य आरोपी रितेश को सोमवार को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसका जुलूस निकाला। आरोपी कान पकड़कर चलता रहा।

इंदौर में सीए छात्र के अपहरण की कोशिश, विरोध किया की मारपीट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया में सीए छात्र के अपहरण की कोशिश की गई। आरोपी कार से आए और छात्र की कार के आगे अपनी गाड़ी लगाकर उसे जबरदस्ती साथ ले जाने की कोशिश की। छात्र ने विरोध किया तो आरोपी मारपीट कर फरार हो गए। अपहरणकर्ता में स्टूडेंट एक आरोपी को पहचानता था। उस आरोपी के साथ बाकी के आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक करण(19) पुत्र मानसिंह कुशवाह निवासी बाबू कुमार की चाल एलआईजी कॉलोनी की शिकायत पर पुलिस ने अनुज यादव और उसके साथियों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों ने करण को जबरदस्ती अपनी कार में बैठाने की कोशिश की और उसके साथ मारपीट कर भाग गए।

पुलिस को शिकायत में करण ने बताया कि वह जीएसबी कॉलेज में पढ़ने के साथ सीए की तैयारी कर रहा है। एक दिन पहले वे अपनी कार से कॉलेज से निकला तभी ग्रैंड सेरेटन होटल के पास सर्विस रोड़ बायपास पर कार के सामने एक लड़का आ गया। उसने कार रुकवा दी।

घूरते हुए ड्राइवर गेट पर आया और बाहर की तरफ खींचने लगा। इसके बाद उसे कुछ साथी भी वहां भागते हुए आ गए। सभी मिलकर मुझे बाहर निकालने का प्रयास करने लगे। जब मैं बाहर आया तो उन्होंने मारपीट की। मदद के लिए जोर जोर से आवाज लगाने लगा। तब साथी बचाव के लिए वहां पहुंचे। जो मारपीट कर रहे थे वह वहां से भाग गए।

करण ने बताया कि सबसे पहले जो लड़का सामने आया। उसकी जानकारी निकाली तो वह अनुज यादव था। वही जिस कार में बैठकर आरोपी भागे उसका नंबर एमपी09जेडपी7224 था। वह कार अनुज की थी। करण ने बताया कि लड़कों ने उसके साथ मारपीट क्यों की इस बात की उसे भी जानकारी नहीं। लेकिन मारपीट करने के दौरान आरोपी उससे कह रहे थे कि उनके मैटर में आया तो ठीक नहीं होगा। करण के मुताबिक उसके साथ कार में उसका दोस्त अक्षत भी था। जो पूरे घटनाक्रम के समय घबरा गया था। आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की कोशिश की।

पति की मौत के बाद दर्ज करवाया दहेज प्रताड़ना के केस, कोर्ट ने किया निरस्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में बुजुर्ग दंपती, ननद व अन्य के खिलाफ दर्ज केस को निरस्त कर दिया है। पति की मृत्यु हो जाने के बाद भी पत्नी ने ससुराल पक्ष पर दहेज मांगने के आरोप में केस दर्ज करवा दिया था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद न केवल केस खारिज किया बल्कि यह भी कहा कि यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि महिला द्वारा कानून का दुरुपयोग किया गया है। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की खंडपीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई थी। याचिकाकर्ता रामदयाल पाटीदार व अन्य ने अधिवक्ता आकाश शर्मा के माध्यम से पुलिस द्वारा दर्ज किए गए केस को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में उल्लेख किया कि उनके डॉक्टर बेटे दीपेश की शादी 2020 में हुई थी।

शादी के एक साल बाद ही दीपेश की हार्टअटैक से मौत हो गई। वहीं बेटी चित्रा भी इंदौर के सरकारी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रही है। बेटे की मौत के बाद उसकी पत्नी द्वारा संपत्ति हासिल करने के लिए विवाद किया जा रहा था।

संपत्ति नाम नहीं करने पर दर्ज करवाया केस

संपत्ति बहू के नाम पर नहीं किए जाने पर उसने दहेज प्रताड़ना के आरोप में फंसाने की धमकी दी। जबकि शादी के बाद से बेटे की मृत्यु होने तक किसी तरह का विवाद नहीं हुआ था। बेटा और बहू दोनों खुश थे। वहीं याचिकाकर्ता सास, ससुर उम्रदराज हैं। बेटी भी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। बेवजह दहेज मांगने के आरोप में केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने भी मामले की पड़ताल किए बगैर ही सीधे केस दर्ज कर लिया।

एफआईआर में पति पर कोई आरोप नहीं

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड पर यह भी पाया कि संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर इसकी शिकायत भी हुई है। आईजी को भी पत्र लिखा था। वहीं शादी से पहले दहेज को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ। एफआईआर में भी पति पर किसी तरह का आरोप नहीं लगाया गया।

गाड़ी चलाते समय आया अटैक, पुलिस ने बचाई जान

इंदौर। इंदौर महू रोड पर सोमवार शाम एक व्यक्ति को चलती एक्टिवा पर अटैक आ गया। उसकी बेटी लोगों से मदद मांगने लगी। तभी वहां से गुजर रहे पुलिसकर्मी ने सीपीआर देकर उसे जीवन दान दिया। मामला इंदौर किशनगंज के बीच का है। सोमवार शाम करीब 5.30 बजे जगदीश निवासी पीथमपुर अपनी 14 साल की बेटी के साथ एक्टिवा से जा रहा था। तभी उन्हें घबराहट होने लगी। उसने जैसे-तैसे एक्टिवा साइड में रोकी। इसके बाद गाड़ी पर बैठ गया। बेटी उसे संभालने के लिए गाड़ी से उतरी। पिता को पसीने में लथपथ देख वह भी घबराने लगी। वह रोते हुए लोगों से मदद मांगने लगी। कुछ लोग मदद के लिए रुके, लेकिन भीड़ लगाकर खड़े हो गए। इसी बीच किशनगंज थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल राघवेंद्र रघुवंशी वहां से बाइक से निकले। भीड़ देखकर रुके और बच्ची से पूछा तो उसने पिता की तरफ इशारा किया। जगदीश तब तक जमीन पर गिर गए थे। राघवेंद्र ने तुरंत मामला समझकर उन्हें सीपीआर दी। कुछ ही सेकेंड में जगदीश की सांसें ठीक से चलने लगी। बेहोशी की हालत से वह बाहर आए। उन्होंने राघवेंद्र रघुवंशी को धन्यवाद किया। इसके बाद बेटी के साथ मौके से चले गए। उन्होंने पुलिसकर्मी से कहा कि देवता बनकर आपने मेरी जान बचाई है।

टंकी से कूदकर जान देने वाली महिला के पति और सास पर केस

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया इलाके में महिला के सुसाइड मामले में पुलिस ने महिला के पति और सास को आरोपी बनाया है। करीब दो हफ्ते पहले महिला ने इलाके की तीसरी मंजिल पर बने टॉवर से कूदकर जान दे दी थी। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक सिंगापुर टाउनशिप (ग्रीन प्री-व्यू कॉलोनी) निवासी अंगूरी बाई (25) ने पति राहुल से विवाद के बाद तीसरे माले पर बनी टंकी से कूदकर सुसाइड कर लिया था। घटना के बाद पुलिस ने महिला के ससुराल और मायके पक्ष के बयान दर्ज किए थे। महिला का 5 साल का बेटा, 3 साल की बेटी है। जांच में सामने आया कि महिला का पति और सास उसे प्रताड़ित करते थे। आए दिन छोटी छोटी बातों को लेकर तानाकशी और शंका करते। इससे परेशान होकर महिला ने जान दे दी। मामले में पुलिस ने जांच के बाद पति राहुल पुत्र मंगल सिंह लोधी निवासी बेगमगंज रायसेन, सास राधाबाई को आरोपी बनाया है। अंगूरी बाई का पति निजी कंपनी में नौकरी करता है। वह आए मारपीट करता था। प्रारंभिक जांच में भी यह बात सामने आई थी कि इसी से परेशान होकर महिला ने ये कदम उठाया है।

पति की हरकतों से थी परेशान

लसूड़िया पुलिस की एसआई खुशबू परमार के मुताबिक मृतक अंगूरी पास के ही स्कूल में काम के लिए जाती थी। घटना वाले दिन वह देरी से घर पहुंची। जिस बात पर पति से उसकी कहासुनी हुई। पति ने उसे बुरा भला कहा। आपसी विवाद के बाद वह रोते हुए ऊपर की तरफ चली गई, और बिल्डिंग के तीसरी मंजिल पर बने टॉवर से कूद कर जान दे दी। पुलिस ने अंगूरी के पिता, मां और मामा के बयान लिये थे। जिसमें पता चला कि छोटी छोटी बातों को लेकर पति राहुल उसे परेशान करता था। उसके चरित्र को लेकर शंका करता था। इस बात से भी वह काफी दुखी थी, और काफी परेशान रहने लगी थी।

आखिरी बार बच्चों का मुंह दिखाने को कहा था

घटना के वक्तदत के तीसरे माले पर मौजूद कुछ रहवासियों ने बताया कि महिला अपने पति से बहुत ज्यादा चिढ़ी हुई थी। वो ऊपर टंकी पर चढ़ के बाद पति के साथ नहीं रहने की बात कहते हुए रो रही थी। आखिरी बार बच्चों का मुंह दिखाने के लिए चिल्ला रही थी। पत्नी को टंकी पर चढ़ा देख राहुल उसे नीचे उतारने के लिए बच्चों को लेकर पहुंचा। तब भी उसने कहा था कि पास मत आना मैं कूद जाऊंगी। जैसे ही पति ने पकड़ने की कोशिश की उसने छलांग लगा दी।

खजराना गणेश को रक्षाबंधन पर चढ़ी दुनिया की सबसे बड़ी राखी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। विश्व प्रसिद्ध भगवान खजराना गणेश से सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य एवं पर्यावरण संरक्षण की कामना करते हुए रक्षाबंधन पर इंदौर में बनी भव्य राखी खजराना गणेश जी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अर्पित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम के संदेश को आगे बढ़ते हुए पर्यावरण संरक्षण करने की भावना से राखी का निर्माण किया गया। इस विशालकाय राखी में 'श्री खजराना गणेश हमारे पर्यावरण की रक्षा करें' व 'एक पेड़ मां के नाम' संदेश दिया गया है । राखी के बीचो-बीच पृथ्वी है जो की लगातार गोल घूम रही है।

राखी के निर्माण में लोहे का बेस, थर्माकोल, वेलवेट, 101 मीटर रेशम की डोरी, थर्माकोल की गणेश प्रतिमा, प्रोफाइल शीट, आर्टिफिशियल प्लांट, फाइबर की पृथ्वी, रबर सॉल्यूशन रबर, वाटर कलर, आदि का उपयोग किया गया। राखी का वजन 125 किलो है । 15 कलाकारों द्वारा इस राखी को 10 दिन में तैयार किया गया। इसे बनाने वाली श्री विघ्नहर्ता गणेश भक्त समिति के संस्थापक राजेश बिड़कर व राहुल शर्मा ने बताया कि यह वर्ल्ड की सबसे बड़ी राखी कुल169 वर्ग फीट यानी 13 बाय 13 वर्ग फीट की है, रक्षाबंधन के दिन दोपहर 3 बजे यह राखी खजराना गणेश जी को शहर के विभिन्न साधु संत, गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवी व राजनेताओं की उपस्थिति में समर्पित की गई । जन्माष्टमी तक भक्तों के दर्शन के लिए रहेगी राखी यह विशाल राखी रक्षाबंधन से जन्माष्टमी तक भक्तों के दर्शन के लिए खजराना गणेश मंदिर में ही रखी जाएगी भक्त अपनी राखी लाकर इस बड़ी राखी की डोर पर अपनी राखी को बांध सकते हैं । राखी बांधने वाले भक्तों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट दिए जाएंगे ।

राखी में समझाए गए पर्यावरण के नियम

राखी में 10 नियमों को समझाया गया है कि किस तरह मनुष्य अपने जीवन में इन 10 नियमों का अपने जीवन में पालन कर कैसे पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं । ये नियम हैं-ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं, अपने आसपास स्वच्छता रखें, एयर पॉल्यूशन नियंत्रित करें, वर्षा जल का संरक्षण करें, वन्य जीवो को बचाएं, बिजली बचाएं , प्लास्टिक का उपयोग न करें, पेड़ काटना बंद करें, कागज बर्बाद न करें और खाना बर्बाद न करें।

इन कलाकारों ने किया राखी का निर्माण

मुख्य कलाकार-विजय धीमान, आर्ट कलाकार-मोहन विश्वकर्मा, सहयोगी कलाकार-दिनेश शिंदे, शुभम जरिया , सैय्यद, वाजिद अली, सैय्यद अहमद अली, मोहित रायकवार, देव कुशवाह, शुभम दौर, जीतू पटेल, शुभम यादव, अनीता धीमान, संजय पालीवाल, रितेश पालीवाल, कैलाश कोसे व अहमद खान।

राह नहीं आसान : आदर्श नगर कॉलोनी का कच्चा रास्ता बारिश में हो जाता है बदहाल

500 मीटर के कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल जाते हैं बच्चे

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। आजादी का अमृतकाल बीत जाने के बाद भी नौनिहालों को स्कूल तक का सफर 500 मीटर के दलदली रास्ते को पार करके जाना पड़े तो सरकारी सिस्टम पर यकीनन गुस्सा आता है, लेकिन उससे भी ज्यादा तरस उन बच्चों पर आता है, जो रोजाना डरते-सहमते हुए इस दलदल में पैर जमाते हुए स्कूल तक पहुंचते हैं।

एक तरफ राज्य और केंद्र सरकार स्कूल चले अभियान के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं पाड़ल्यामाता गांव के बीचो-बीच से आदर्श नगर कॉलोनी का कच्चा रास्ता जाता है, जो बारिश के मौसम में कीचड़ में तब्दील हो गया है। सरकारी हो या निजी स्कूल के बच्चों को कीचड़ और गंदगी के बीच से रोजाना स्कूल जाना पडता है। यही से छात्रावास और विद्युत कंपनी कार्यालय जाने का रास्ता है और कॉलोनी की करीब 500 की आबादी निवासरत है।

हर रोज कीचड़ से गुजरना
मार्ग की दूरी महज 500 मीटर है, उसमें भी रास्ते भर काफी दलदल है। करीब दर्जनों छात्र-छात्राए इसी कच्चे मार्ग से होकर रोजाना स्कूल पहुंचते हैं। जिस कीचड़ के दलदल वाले रास्ते में कोई अपना पैर भी नहीं रखना चाहता, उसी रास्ते से होकर बचे रोजाना स्कूल तक का सफर तय करते हैं। लेकिन शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्हें हर रोज इसी कीचड़ से होकर गुजरना पडता है। वहीं, ग्रामीणों, आमजन व किसानों को उक्त मार्ग से होकर आना-जाना पड़ता है, जिन्हें भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

जलभराव से कीचड़ के रास्ते में मच्छर पनप रहे

उक्त मार्ग पर सीसी रोड नहीं होने के चलते ग्रामीण काफी परेशान हैं। कॉलोनी वाले कीचड़ से निकलने को मजबूर हैं। लोग अपने घरों तक अपने वाहनों को भी नहीं ले जा रहें हैं।

जलभराव से कीचड़ के रास्ते में मच्छर पनप रहे हैं।

इससे बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बना हुआ है। इसके बाद भी जिम्मेदार अनदेखा कर देते हैं।

एम्स के डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर मरीज को दिया जीवनदान

कान के निचले हिस्से से निकाला फुटबॉल बराबर ट्यूमर

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। एम्स भोपाल में हाल ही में एक मरीज के चेहरे के पिछले दायें भाग में कान के नीचे निकले लगभग फुटबॉल के बराबर ट्यूमर की जटिल सर्जरी की गई। ट्यूमर मुख्य फेशियल नर्व और उसकी पांच सहायक नसों के नीचे था। साथ ही उसका आकार लगातार बढ़ता जा रहा था, जिससे मरीज की आंख बंद होने से लेकर नसों के फटने का खतरा बना हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एम्स के विशेषज्ञों ने छह घंटे चली जटिल सर्जरी से मरीज को नया जीवन दिया।

एम्स में जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनीष स्वर्णकार ने बताया कि प्रथम दृष्टि से यह एक पैरोटिड ट्यूमर था। अब इसकी हिस्टोपैथोलाजी जांच कराई गई है। सर्जरी करने वालों में डॉ. मनीष स्वर्णकार के साथ डॉ. मूरत सिंह, डॉ. हर्ष वैद्य और एनेस्थेटिस्ट डा. संदीप शामिल रहे। डॉ. मनीष ने बताया कि मरीज को दाईं पैरोटिड ग्रंथि का एक विशाल ट्यूमर (12.8.12 सेमी) था। यह चेहरे के निचले हिस्से से फैलना शुरू हुआ था। जिसके चलते फेशियल नर्व और उसकी सहयोगी पांच नसें

इसके ऊपर आ गई थीं।

बहुत बड़ी चुनौती थी
ट्यूमर का साइज बढ़ाने से उन पर दबाव पड़ रहा था। यह सभी नसें मिलाकर चेहरे के एक्सप्रेशंस समेत आंख, ओंठ, माथे, कान व नाक की मसल्स को कंट्रोल करने में मदद करती है। इस प्रकार की सर्जरी में चेहरे की नस और उसकी शाखाओं को सुरक्षित रखना एक बहुत बड़ी चुनौती थी।

इनका कहना है....
यह ऑपरेशन जनरल सर्जरी विभाग की उन्नत और सूक्ष्म देखभाल प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि मरीजों को सबसे कठिन स्थितियों में भी सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त हो सकें।
-प्रो. डॉ. अजय सिंह, एम्स भोपाल निदेशक

गोविंदपुरा में अवधपुरी तिराहे पर किया विरोध प्रदर्शन, 2 घंटे तक बंद रही सभी दुकानें

बांग्लादेश में हिंदुओं से दुर्व्यवहार को लेकर रोड किया जाम, निकाली रैली

सिटी चीफ भोपाल।
बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं से देश भर में हिंदू संगठन आक्रोषित हो गए हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल बांग्लादेश में हिंदू सनातन संस्कृति एवं मंदिरों में तोड़फोड़ एवं हिंदू माता बहनों और हिंदू समुदाय के लोगों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है इसको लेकर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा में अवधपुरी तिराहे पर विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवियों संगठनों ने भाग लिया।

अवधपुरी परिक्षेत्र जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष समाज सेवी रमन तिवारी एवं व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजकुमार बाथम ने कहा कि देश के हम सबके आदरणीय प्रधानमंत्री को संपूर्ण मामले में हस्तक्षेप करके उचित कार्यवाही करनी चाहिए प्रदर्शन को संपूर्ण रूप से सफल बनाने में व्यापारी संघ ने सहयोग किया और अपने-अपने प्रतिष्ठान दुकान सुबह 10 बजे से 12 बजे तक अवधपुरी में बंद रखें। इस प्रदर्शन में मुख्य भूमिका निभाने वाले सामाजिक संगठन अवधपुरी परिक्षेत्र जन कल्याण महासमिति अवधपुरी व्यापारी संघ अवधपुरी रहवासी सोसायटियां अवधश्री सेवा संस्थान अवधपुरी युवा वाहिनी सहित सभी संगठनों ने एकजुट होकर संपूर्ण अवधपुरी में विशाल रैली निकाली एवं प्रदर्शन कर अपना आक्रोश दिखाया। इस अवसर पर व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजकुमार बाथम एवं ललित शर्मा , महासमिति के संरक्षक सोहन सिंह , भगवान सिंह परमार एवं कमलेश खरे , चितरंजन श्रीवास्तव, रमा शंकर द्विवेदी मयंक तिवारी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं और पूरे अवधपुरी क्षेत्र के रखवासी बंधु उपस्थित रहे।

आवारा पशुओं को लेकर चलेगा 15 दिन का विशेष अभियान

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश सरकार ने प्रमुख मार्गों से आवारा मवेशियों को हटाने के लिए 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत सड़कों से मवेशियों को हटाने के लिए एक समिति बनाई गई है, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस विशेष अभियान के लिए आईएएस अधिकारियों को अध्यक्ष और सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। ये अधिकारी 15 दिनों के भीतर अभियान चलाकर सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने का काम करेंगे। समिति में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अध्यक्ष, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव सदस्य, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव सदस्य सचिव, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सदस्य और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव सदस्य होंगे।

राजधानी के रविंद्र भवन में आयोजित हुआ स्वर उत्सव कार्यक्रम

'ये हिंद मेरा वतन' पर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

सिटी चीफ भोपाल।
स्वर उत्सव का आगाज भोपाल के युवा संगीतकार उमेश तरकसवार के संगीत निर्देशन में भोपाल के ही युवा गायक गायिकाओं की प्रस्तुति से हुआ। जिन्होंने एक के बाद एक मधुर देश भक्ति गीतों से वातावरण में जोश से भर दिया। देशभक्ति गीतों की शुरूआत फारसी में लिखे गए तराने सलाम माँ तुझे सलाम से हुई।

तत्पश्चात तराना-ए -कफस से ली गई रचना हे वतन के वास्ते अक्सर वंदे मातरम भी सुनाई। इसके बाद बारी आई देश की सुविख्यात गायिका शुभा मुदगल की, जिन्होंने अपनी प्रस्तुति का आरंभ राग गौड़ मल्हार से किया। शुभा ने दो रचनायें प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में गजलों की दुनिया के सशक्त हस्ताक्षर, लब्ध प्रतिष्ठित उस्ताद अहमद हुसैन और उस्ताद मोहम्मद हुसैन ने अपनी मखमली आवाज और गजलगोई के अंदाज से श्रोताओं को दाद देने और झूमने को मजबूर कर दिया।

उन्होंने सबसे पहले सुप्रसिद्ध भजन गाईये गणपति जग वंदन प्रस्तुत किया। उसके बाद वतनपरस्ती से लबरेज एक गीत यें हिन्द यें मेरा वतन से श्रोताओं के मन में देशप्रेम की भावना जगा दी।

आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट ने बताया कि आकाशवाणी द्वारा देशभर के अनेक शहरों में आजादी के पर्व को उत्साह पूर्वक मनाने के लिए इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। उप महानिदेशक यशवंत चिवंडे ने कहा कि आकाशवाणी आज भी स्वस्थ मनोरंजन और सही सूचना श्रोताओं तक पहुंचाने में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के वरिष्ठ उद्घोषक पुरुषोत्तम श्रीवास और अमिता त्रिवेदी ने किया।

प्रदेश में फिर सक्रिय हुए पूर्व मुख्यमंत्री

कमलनाथ ने अपने आवास पर बहनों से बंधवाई राखी

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से एक्टिव हो गए हैं। कमलनाथ पिछले काफी समय से मध्य प्रदेश की राजनीति में समय नहीं दे पा रहे थे हालांकि वह प्रदेश की सभी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोल रहे थे। अब एक बार फिर से कमलनाथ भोपाल पहुंच गए हैं और कार्यकताओं से मेल मुलाकात शुरू कर दी। रविवार को उन्होंने सुबह भोपाल के सरकारी निवास पर बहनों से राखी बंधवाई।

कमलनाथ ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने सोशल अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज भोपाल में बहनों से राखी बंधवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बहनों के इस प्रेम और स्नेह से हृदय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। पवित्र राखी हमें बहनों की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। ईश्वर मुझे शक्ति दे कि मैं आजीवन बहनों के सम्मान की रक्षा करता रहूं।

सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव, सरकार को लिया निशाने पर
मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस जहां एक तरफ पार्टी को मजबूत करने में जुटी हुई है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार को घेरने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। खास बात यह है कि कांग्रेस द्वारा प्रदेश भर में किया जा रहे आंदोलन में प्रदेश के सभी दिग्गज नेता पहुंच रहे हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अभी तक एक भी आंदोलन में शामिल नहीं हुए। इससे यह माना जा रहा था कि कमलनाथ प्रदेश की राजनीति में अब शायद एक्टिव नहीं होंगे। लेकिन दो दिन से कमलनाथ भोपाल पहुंचे हैं और कार्यकताओं से मेल मुलाकात शुरू कर दिया है। हालांकि कमलनाथ सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहे हैं और हर मुद्दे पर सरकार को निशाने पर लिया है।

केंद्र में जाने की थी चर्चा

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की प्रदेश में अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद चर्चा शुरू हो गई थी कि कमलनाथ अब प्रदेश की राजनीति छोड़कर केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, लेकिन कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने कमलनाथ को अभी तक कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपी है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि कमलनाथ शायद प्रदेश में एक बार फिर से सक्रिय होंगे और पार्टी को मजबूत करने में नए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मदद के लिए आगे आएंगे। हालांकि जीतू पटवारी का कहना है कमलनाथ का मार्गदर्शन उन्हें लगातार मिलता रहता है। कई बैठकों में कमलनाथ ऑनलाइन जुड़े थे।

सम्पादकीय

कश्मीर लोकतंत्र मजबूत हुआ तो आतंकवाद खत्म होगा!

कश्मीर में माहौल बदला है और ज्यादा से ज्यादा लोग मुख्यधारा में आ रहे हैं। विगत दिनों से आतंकियों ने जिस तरह से हिंसा का सिलसिला चला रखा है, उससे भी पता चलता है कि आतंकी नहीं चाहते कि चुनाव हो और हालात सुधरे। कश्मीर में लोगों ने अगर लोकतंत्र को मजबूत कर दिया, तो फिर आतंकवाद को मुंह छिपाने की जगह नहीं मिलेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने विश्वास जताया है कि जम्मू-कश्मीर के लोग विघटनकारी ताकतों को उचित जवाब देंगे।

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के साथ ही हरियाणा राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही खासकर जम्मू-कश्मीर में चुनाव की ज्यादा प्रतीक्षा हो रही थी। वहां चुनाव को ज्यादा समय तक टालना अब संभव नहीं था, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव के लिए 30 सितंबर की समय-सीमा खींच रखी थी, अतः अब तीन चरणों में मतदान के साथ चुनाव की घोषणा का स्वागत होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में 18, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि हरियाणा में एक ही चरण में 1 अक्टूबर को मत डाले जाएंगे और नतीजे 4 अक्टूबर को आ जाएंगे। गौर करने की बात है कि पिछले दिनों मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने इन दोनों प्रदेशों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि कश्मीर में लोग चुनाव में भाग लेने को लालायित हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा भी है कि हमने लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में लोगों की लंबी कतारें देखी हैं, जिससे पता चलता है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहते हैं और बुलेट के बजाय बैलेट को प्राथमिकता देते हैं। जम्मू-कश्मीर में 87.09 लाख मतदाता 11,800 से अधिक मतदान केंद्रों पर वोट डालेंगे। इस बार मतदान का प्रतिशत अच्छा रहने की संभावना है। कश्मीर में माहौल बदला है और ज्यादा से ज्यादा लोग मुख्यधारा में आ रहे हैं। विगत दिनों से आतंकियों ने जिस तरह से हिंसा का सिलसिला चला रखा है, उससे भी पता चलता है कि आतंकी नहीं चाहते कि चुनाव हो और हालात सुधरे। कश्मीर में लोगों ने अगर लोकतंत्र को मजबूत कर दिया, तो फिर आतंकवाद को मुंह छिपाने की जगह नहीं मिलेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने विश्वास जताया है कि जम्मू-कश्मीर के लोग विघटनकारी ताकतों को उचित जवाब देंगे। चुनाव आयोग की दृढ़ता सराहनीय है। वहां चुनाव कराने में किसी भी तरह के भय की जरूरत नहीं है और सुरक्षा के तमाम जरूरी इंतजामात रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। आयोग ने साफ कर दिया है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए किसी भी आंतरिक या बाह्य दखल को मंजूरी नहीं दी जाएगी। कोई शक नहीं कि चुनाव से भी जरूरी काम कश्मीर में सुरक्षा बहाल रखना है। सुरक्षा एजेंसियों को अपनी खुफिया ताकत का इस्तेमाल करना चाहिए। हिंसा होने के बाद नहीं, बल्कि हिंसा होने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियां मुंहतोड़ जवाब दें। अब राजनीतिक पार्टियों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है और लोगों को भी हिंसा के विरुद्ध पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर को जून, 2018 के बाद से ही चुनी हुई सरकार का इंतजार है। उसका इंतजार अब पूरा होने वाला है। इस समय जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल का शासन है और मनोज सिन्हा यहां के उपराज्यपाल हैं। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल लंबे समय से विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर रहे थे। विधानसभा के चुनाव जम्मू-कश्मीर में कई तब्दीलियों के बाद किए जा रहे हैं। साल 2022 में जम्मू-कश्मीर में परिसीमन करके सात नई सीटें जोड़ी गई हैं और अब 83 सीटों की जगह नई विधानसभा में 90 सीटें होंगी। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल राज्य का दर्जा वापस देने की मांग कर रहे हैं। 2019 में विशेष दर्जा हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में एक लंबे समय तक कर्फ्यू और प्रतिबंध लगाए गए थे और इंटरनेट को भी बंद किया गया था। सरकार ने हजारों लोगों को हिरासत में लिया था जिनमें नेता भी शामिल थे। सरकार के इस फैसले के खिलाफ कई राजनीतिक दलों ने याचिकाएं दायर कर इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि, दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने फैसला सुनाते हुए जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने का फैसला बरकरार रखा।

राजीव गांधी ने चतुराई से हिंसक आंदोलनों पर पाया काबू

राजीव गांधी 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। हर साल 20 अगस्त को उनकी जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई जाती है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी 40 साल की उम्र में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। 1991 में चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी।

हाल ही में पूरी दुनिया ने देखा बांग्लादेश में छात्रों के एक विद्रोह ने 15 सालों से चल रही शेख हसीना की सरकार को कैसे एक झटके में हटा दिया। आलम यह था कि शेख हसीना ने अपनी जान बचाने के लिए बांग्लादेश से भागकर भारत में शरण ली। यह आंदोलन दुनिया के देशों को चौंकाने वाला रहा। एक दौर था जब भारत में भी छात्रों का एक बड़ा आंदोलन सरकार के लिए सिरदर्द बन गया था। लेकिन 1984 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने बहुत ही समझदारी और चुतराई से 6 साल पुराने छात्रों के आंदोलन को समाप्त कर दिया। आइए जानते हैं राजीव गांधी के पास ऐसा कौन सा हुनर था, जिससे शेख हसीना चूक गईं।

राजीव गांधी के चचेरे भाई अरुण नेहरू बताते हैं कि रात के दो बजे राजीव गांधी ने मुझे फोन किया और बिना ज्यादा बात किए कहा, कॉफी पीने आ जाओ। 15 अगस्त, 1985 की रात को जब अरुण प्रधानमंत्री के घर पहुंचे तो राजीव ने उन्हें बताया, हम असम समझौते पर दस्तखत करने वाले हैं, बस इतना ही। उस रात ऐतिहासिक 1985 असम समझौते पर दस्तखत हुए। इस समझौते ने असम में 6 साल तक चले छात्रों के आंदोलन का अंत किया। इस घटना ने इस इलाके को बहुत प्रभावित किया और आज भी इसकी राजनीति पर असर पड़ता है।

साल 1985 था और राजीव गांधी ने 1984 में भारत के चुनाव इतिहास में सबसे बड़ा लोकसभा बहुमत हासिल किया था। यह 1983 में तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद मिली समर्थन की लहर के साथ आया था। हालांकि, राजीव को हिंसा, आंदोलन, विरोध, विद्रोह और अलगाव की मांगों से जूझते हुए देश की विरासत मिली। पंजाब, असम और मिजोरम जैसे राज्य आग में थे। खासकर असम में बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों के घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन चल रहा था और छात्र संगठन सबसे आगे थे। 800 से ज्यादा लोग मारे जा चुके थे और बंगालियों के चुनिंदा नरसंहार की खबरें सुर्खियां बन गई थीं। तभी राजीव गांधी ने, जो अभी-अभी पदभार संभाला था, चतुराई से इस हिंसक सालभर के आंदोलन को खत्म करने के लिए कदम उठाया। यह देश के सामने सबसे कठिन मुद्दों में से एक था।

15 अगस्त, 1985 की मध्यरात्रि के बाद असम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। प्रधानमंत्री ने ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और ऑल असम गण संग्राम परिषद के छात्र नेताओं के साथ अंतिम समय में दबाव की रणनीति अपनाई थी। असम समझौता, केंद्र सरकार, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और ऑल असम गण संग्राम परिषद के बीच एक समझौता ज्ञापन था, जिसका उद्देश्य असमिया लोगों की पहचान की रक्षा करना था। असम समझौते का राजनीतिक नतीजा सिर्फ 6 साल लंबे असम आंदोलन का खत्म होना नहीं था। इस समझौते से असम में एक नई सरकार का गठन हुआ, जिसमें आंदोलन के नेताओं ने एक राजनीतिक पार्टी बनाई और बाद के राज्य चुनाव जीते। राजीव की ओर से सालों से चले छात्र विरोध को संभालना दिलचस्प है, क्योंकि हाल ही में बांग्लादेश में छात्रों द्वारा कोटा के खिलाफ हुए विरोध ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बाहर कर दिया। छात्रों के आंदोलन ने हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। 76 साल की शेख हसीना के विपरीत, तत्कालीन 40 वर्षीय राजीव गांधी ने विरोध प्रदर्शनों को समझदारी से संभाला और असम और पूर्वोत्तर में शांति लाने के लिए आंदोलनकारी छात्रों के साथ बैठे और समाधान खोजा। राजीव गांधी भारत के 7वें प्रधानमंत्री थे और उन्होंने 1984 से 1989 तक देश की सेवा की। हर साल 20 अगस्त को उनकी जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई जाती है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी 40 साल की उम्र में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। 1991 में चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। उनकी मृत्यु के बाद राजीव गांधी को भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया। राजीव गांधी का जन्म राजीव रत्न गांधी के रूप में 20 अगस्त 1944 को बॉम्बे (अब मुंबई) में इंदिरा गांधी और फिरोज गांधी के घर हुआ था। 1951 में राजीव गांधी और उनके भाई संजय गांधी को शिव निकेतन स्कूल में भर्ती कराया गया। 1954 में राजीव गांधी को वेल्हम बॉयज स्कूल, देहरादून और दून स्कूल, देहरादून में भर्ती कराया गया। 1961 में राजीव गांधी ए-लेवल की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए।

1962 में राजीव गांधी को इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए ट्रिनिटी कॉलेज, लंदन में दाखिला मिला, लेकिन उन्होंने डिग्री हासिल नहीं की। 1966 में राजीव गांधी को इंपीरियल कॉलेज, लंदन में दाखिला मिला, लेकिन उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग का कोर्स पूरा नहीं किया। 1966 में राजीव गांधी भारत लौट आए, उसी साल इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उन्होंने दिल्ली में फ्लाइंग क्लब ज्वाइन किया और पायलट के तौर पर प्रशिक्षण लिया। 1970 में राजीव गांधी को एयर इंडिया में पायलट के तौर पर नौकरी मिल गई। 1968 में राजीव गांधी ने एडविज एंटोनिया अल्बिना मैनो से शादी की। एंटोनिया मैनो ने अपना नाम बदलकर सोनिया गांधी रख लिया और भारत को अपना घर चुना। 1970 में दंपति ने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम राहुल गांधी रखा। 1972 में दंपति ने एक बेटी प्रियंका गांधी को जन्म दिया। 23 जून 1980 को एक विमान दुर्घटना में अपने छोटे भाई संजय गांधी की मृत्यु के बाद, राजीव गांधी लंदन से दिल्ली लौटे और अपने भाई के शव का अंतिम संस्कार किया। संजय की मृत्यु के बाद, कांग्रेस पार्टी के 70 सदस्य इंदिरा गांधी के पास गए और एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए और राजीव गांधी से भारतीय राजनीति में शामिल होने का आग्रह किया। इंदिरा गांधी ने उनसे कहा कि यह निर्णय राजीव गांधी के हाथ में है। जब राजीव गांधी से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि अगर इससे उनकी मां को मदद मिलती है, तो वे राजनीति में शामिल होंगे। 16 फरवरी 1981 को राजीव गांधी ने राजनीति में प्रवेश किया और दिल्ली में एक रैली को संबोधित किया। इस समय राजीव अभी भी एयर इंडिया में सेवारत थे। 4 मई 1981 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में वसंतदादा पाटिल ने राजीव गांधी को अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया। बैठक के सभी सदस्यों ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और एक सप्ताह बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा उनकी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। घोषणा के बाद राजीव गांधी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और अपना नामांकन दाखिल करने के लिए सुल्तानपुर चले गए। राजीव गांधी ने लोकदल के उम्मीदवार शरद यादव को 2,37,000 मतों से हराया और 17 अगस्त 1981 को संसद सदस्य के रूप में शपथ ली।

राजीव गांधी अपने पहले राजनीतिक दौरे पर इंग्लैंड गए और प्रिंस चार्ल्स और लेडी डायना स्पेंसर के विवाह समारोह में शामिल हुए। दिसंबर 1981 में राजीव गांधी को भारतीय युवा कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया। वे 32 अन्य सदस्यों के साथ 1982 एशियाई खेलों की आयोजन समिति के सदस्य बने।

31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। उनकी हत्या के 19 दिन बाद राजीव गांधी ने एक रैली में कहा, इंदिरा जी की हत्या के बाद देश में कुछ दंगे हुए थे। हम जानते हैं कि लोग बहुत गुस्से में थे और कुछ दिनों तक ऐसा लगा कि भारत हिल गया है। लेकिन, जब एक विशाल पेड़ गिरता है, तो यह स्वाभाविक है कि उसके आस-पास की धरती भी थोड़ी हिलती है। अपनी मां इंदिरा गांधी की हत्या के बाद, सरदार बूटा सिंह और राष्ट्रपति जैल सिंह ने राजीव गांधी पर इंदिरा गांधी के बाद भारत का प्रधानमंत्री बनने का दबाव डाला। कार्यालय में शामिल होने के बाद, राजीव गांधी ने राष्ट्रपति जैल सिंह से नए चुनाव कराने के लिए कहा क्योंकि लोकसभा ने अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा कर लिया था। राजीव गांधी आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बने और भारतीय संसद के इतिहास में सबसे बड़ा बहुमत हासिल किया। 31 दिसंबर 1984 को, 40 साल की उम्र में, राजीव गांधी भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने अपने 14 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन किया। उन्होंने वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और रेल मंत्री एबीए गनी खान चौधरी को हटा दिया क्योंकि वे दोनों उनकी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। राजीव गांधी ने मोहसिना किदवई को रेल मंत्री नियुक्त किया। मोहसिना राजीव गांधी मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला थीं। पीवी नरसिम्हा राव को रक्षा मंत्री और वीपी सिंह को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया, लेकिन 1987 में उन्हें रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया। 1985 में राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए दलबदल विरोधी कानून पारित किया था । इस कानून के अनुसार संसद या विधानसभा का कोई भी निर्वाचित सदस्य अगले चुनाव तक विपक्षी पार्टी में शामिल नहीं हो सकता। 1985 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मुस्लिम तलाकशुदा शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया और आदेश दिया कि उसके पूर्व पति को उसे गुजारा भत्ता देना होगा। भारतीय मुसलमानों ने सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले की व्यापक आलोचना की।

राष्ट्रपति चुनाव अगले माह, भारत और हिंद क्षेत्र के लिए भी अहम रहेंगे नतीजे

छंदय यानी चुनाव। सिंहली-अंग्रेजी युग्म रचें, तो होगा छंदय-मोड। हमारा पड़ोसी राष्ट्र श्रीलंका इन दिनों छंदय मोड में है। एक महीने बाद 21 सितंबर को करीब एक करोड़ 70 लाख मतदाता विषम परिस्थितियों से गुजर रहे द्वीप-राष्ट्र का नया राष्ट्रपति चुनेंगे! बिसात बिछ चुकी है। पासे फेंके जा चुके हैं। वातावरण आवेशित है। दुविधा और संभ्रम की स्थिति है। हालांकि ज्यादातर खिलाड़ी सुपरिचित हैं।

यों तो एक अनार के लिए बीमारों की संख्या 39 है, किंतु मुकाबले में मुख्यतः चार खिलाड़ी हैं। ये चार खिलाड़ी हैं-अनेक दलों का समर्थन प्राप्त, निवर्तमान राष्ट्रपति निर्दलीय प्रत्याशी रानिल विक्रमसिंघे, समागी जन बालवेगया के सजिथ प्रेमदासा, श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना के नमल राजपक्षे और जनता विमुक्ति पेरामुना के अनुरा कुमारा दिसानायके। इनमें पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके 75 वर्षीय रानिल वरिष्ठतम हैं, जबकि नमल की आयु सबसे कम 38 वर्ष है।

गौरतलब है कि श्रीलंका की राजनीति में राजपक्षे परिवार को स्वेच्छाचारी और एकाधिकारवादी माना जाता है। विगत संसदीय चुनाव में उसके पांच सदस्य जीते थे। महिंदा राजपक्षे बने प्रधानमंत्री, अनुज त्रयी गोटबाया राष्ट्रपति, चमल सिंचाई मंत्री, बेसिल वित्तमंत्री और पुत्र नमल खेलमंत्री। वर्ष 2022 में व्यापक जनाक्रोश राजपक्षे परिवार के पतन का कारण बना। यों तो रानिल सत्ताच्युत गोटबाया राजपक्षे की पसंद थे, लेकिन वक्त ने रानिल पर गोटबाया के भरोसे की चूलें हिला दी है। इसलिए उन्होंने युवा नमल को मैदान में उतारा है। विधि में स्नातक नमल एसएलपीपी के %पोस्टर ब्वॉय हैं। उन्हें मिले वोट से पता चलेगा कि अधिनायक-वृत्ति और स्वेच्छाचारिता के बावजूद श्रीलंकाई लोग राजपक्षे परिवार को कितना पसंद करते हैं?

पिछले दो दशकों से श्रीलंका में सत्ता की चाबी राजपक्षे परिवार के हाथों में है। लेकिन अरागलिया विद्रोह ने राजपक्षे परिवार के पांवों तले से जमीन खींच ली। एकबारगी लगा कि महिंदा पलायन को बाध्य होंगे, लेकिन कूचे से बेआबरू होकर निकलने की अटकलों के बीच उन्हें पूर्वोत्तर प्रांत के नौसैनिक अड्डे त्रिंकोमाली में मुकम्मल सुरक्षा मिल गई। राजपक्षे घराना फौजी हिफाजत में तबसे वहीं रह रहा है।

श्रीलंका में चीन की रुचि और भारत को घेरने की उसकी कोशिशें किसी से छिपी नहीं हैं। चीन से राजपक्षे का मोह अब भी कायम है। 27 जून, 2024 को महिंदा चीन के विदेश मंत्री वांग के न्यौते पर बीजिंग गए थे। वहां वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले। फिर उनकी चीनी प्रधानमंत्री ली छियांग से ऋण पुनर्गठन मसौदे पर भी चर्चा हुई। कहना कठिन है कि महिंदा और चीनी नेताओं के बीच चुनाव और भावी राजनीति को लेकर क्या खिचड़ी पकी, लेकिन इस बाबत महिंदा की चुप्पी अटकलें पैदा करती है। भारत और श्रीलंका के रिश्ते गर्भनाल सरीखे हैं। जातीय और सांस्कृतिक संदर्भ भारत-श्रीलंका मैत्री को दृढ़ आधार प्रदान करते हैं। श्रीलंका का भारत के लिए अतिरिक्त सामरिक महत्व भी है।

अक्षय ऊर्जा अपनाना समय की मांग, यही है भविष्य का इकलौता विकल्प

पिछले चार-पांच दशकों में विश्व की बढ़ती हुई आबादी के लिए ऊर्जा की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। इस मांग को नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। अब नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का इकलौता विकल्प रह गया है, क्योंकि यही कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करके पर्यावरण की सुरक्षा करने में मददगार है। नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रचुर मात्रा में सरलता से उपलब्ध हैं। इन पर किसी भी देश का एकाधिकार नहीं होता है। इस कारण इनकी आपूर्ति आसानी से की जा सकती है। वर्ष 2004 में केंद्र सरकार ने तय किया था कि 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, ताकि अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। पिछले कई दशकों से हम जिन ऊर्जा स्रोतों का जीवाश्म ईंधन के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं, वे सीमित हैं। निरंतर दोहन के कारण उनका भंडार कम होता जा रहा है। दूसरी बात है कि जीवाश्म ईंधन प्रदूषणकारी भी हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने 2030 के अंत तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें पवन ऊर्जा से 140 गीगावाट, सौर ऊर्जा से 280 गीगावाट, बायोमास ऊर्जा और लघु जलविद्युत परियोजनाओं से 80 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य शामिल है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन, जिसका लक्ष्य अनुसंधान एवं विकास और कच्चे माल तथा उत्पादों के घरेलू उत्पादन से देश में सौर ऊर्जा उपयोग की लागत को कम करना है। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भी किया गया है। पेरिस में 30 नवंबर, 2015 को संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान भारत और फ्रांस ने इसकी संयुक्त शुरुआत की थी। कर्क और मकर रेखा के बीच आंशिक या पूर्ण रूप से बसे हुए 122 सौर संसाधन संपन्न देशों के इस गठबंधन का मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में है। इस फ्रेमवर्क में वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत व स्वच्छ जैव-ईंधन प्रौद्योगिकी के लिए शोध में निवेश को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

साफ धूप वाले दिनों में सौर ऊर्जा का औसत पांच किलोवाट घंटा प्रति वर्गमीटर होता है। एक मेगावाट सौर ऊर्जा के उत्पादन के लिए लगभग तीन हेक्टेयर समतल भूमि की आवश्यकता होती है। उष्ण-कटिबंधीय देश होने के कारण हमारे यहां वर्ष भर में सूर्य का प्रकाश लगभग

3,000 घंटे तक मिलता है। सौर ऊर्जा उत्पादन में सबसे ज्यादा योगदान रूफटॉप सौर उर्जा और सोलर पार्क का है। यह देश में बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता का 16 प्रतिशत है। सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत करना है।

एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2035 तक देश में सौर ऊर्जा की मांग सात गुना तक बढ़ने की संभावना है। सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने से जीडीपी दर भी बढ़ेगी। हमारे देश ने संकल्प लिया है कि वर्ष 2030 तक बिजली उत्पादन की हमारी 40 फीसदी स्थापित क्षमता ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों पर आधारित होगी। राष्ट्रीय पवन-सौर स्वच्छता नीति-2018 के अनुसार, पवन-सौर ऊर्जा उत्पादन के वर्तमान लक्ष्य 80 गीगावाट को वर्ष 2022 तक दोगुने से भी ज्यादा अर्थात 225 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

सरकार द्वारा ग्रिड से जुड़े हुए रूफटॉप और छोटे सौर ऊर्जा संयंत्र कार्यक्रमों का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिनके तहत अलग-अलग क्षेत्रों में 2100 मेगावाट की क्षमता स्थापित की जा रही है। इस कार्यक्रम में सामान्य श्रेणी वाले राज्यों में लागत के 30 प्रतिशत तक और विशेष श्रेणी वाले राज्यों में लागत के 70 प्रतिशत तक केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता मुहैया कराई जा रही है।

हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी हैं। लोगों में नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर जागरूकता का अभाव है, जिससे उपलब्ध क्षमता के बावजूद भी नवीकरणीय ऊर्जा का दोहन काफी कम है। साथ ही कुशल मानव संसाधनों का भी अभाव है। भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचा मजबूत करने की जरूरत है। इसके साथ ही ऊर्जा के नए स्रोत तलाशना भी जरूरी है। सौर ऊर्जा के साथ साथ समुद्र तटीय क्षेत्रों में पवन और जल ऊर्जा से बिजली पैदा करके ऊर्जा जरूरत को पूरा किया जा सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने से वायु प्रदूषण भी कम किया जा सकता है।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा

सहारनपुर की विलुप्त सिंधली नदी होगी पुनर्जीवित, कार्य योजना तैयार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर की एक प्रमुख विलुप्त नदी सिंधली को पुनर्जीवित करने के लिए जिला प्रशासन ने कार्य योजना तैयार कर ली है जिस पर जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि सहारनपुर के सरसावा और चिलकाना के बीच बैंगनी हैदरपुर से यमुना की सहायक नदी के रूप में शामली तक बहने वाली सिंधली नदी का फिलहाल कोई निशान मौजूद नहीं है। नदी पर अवैध कब्जों के कारण यह कभी की विलुप्त हो चुकी है। इसको पुराने स्वरूप में लाने के लिए कार्य योजना पर काम किया गया है।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सिंचाई विभाग और पर्यावरणविदों से इसके बारे में बातचीत की है। जिलाधिकारी के मुताबिक 1359 फसली रिकार्ड में इस नदी के बारे में पूरी जानकारी है। यानि कि 1952 के

आसपास एक संकरे नाले के रूप में तब इस नदी का अस्तित्व बना हुआ था। एक अनुमान के अनुसार इस नदी की लंबाई 30-35 किलोमीटर अवश्य रही होगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में भी जिला प्रशासन से सिंधली नदी की तलाश करने और उसे पुनर्जीवित करने के लिए कहा है। सहारनपुर के मौजूदा डीएम मनीष बंसल को यह श्रेय जाता है कि उन्होंने अपने संभल जिले के जिलाधिकारी कार्यकाल के दौरान वहां मृत हो चुकी 110 किलोमीटर लंबी शोत नदी को पुनर्जीवित किया था। जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में किया था और मनीष बंसल की सराहना की थी। उनकी उस सफलता से सहारनपुरवासियों को भी भरोसा है कि वह शोत नदी की तरह सिंधली नदी को भी पुनर्जीवित करने में सफल रहेंगे। पानी पर काम करने वाले पर्यावरणविद डा. उमर सैफ का कहना है कि सहारनपुर की नदियों के कारण अपनी विशिष्ट पहचान थी लेकिन यहां की कई नदियां समय के साथ विलुप्त होती चली गईं। जिलाधिकारी मनीष बंसल के कदम और दृढ़ इच्छाशक्ति से उम्मीद बधती है कि विलुप्त सिंधु नदी पुराने स्वरूप में लाई जा सकती है। पिछले साल जिला प्रशासन ने विलुप्त हो चुकी नदियों का सर्वे कराया था जिसमें सिंधली नदी की जानकारी सामने आई थी। अपने उद्गम स्थल वैंगनी हैदरपुर गांव से यह नदी शाहजहांपुर होते हुए सिरस्का, सनौली, सलारपुर कलरहेड़ी, आलमपुर सखेडरी, लखनौती, खालिदपुर, शकरपुर, बिनपुर गांव के बीच बहती थी और ख्वाजापुर में यमुना नदी में मिल जाती थी।

उद्योग व्यापार मंडल के दीपक राज सिंघल मुख्य संरक्षक एवं चौधरी सतवीर सिंह महासचिव हुए घोषित

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अश्वनी मित्तल ने की अपनी कार्यकारिणी की घोषणा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अश्वनी मित्तल ने अपनी कार्यकारिणी में दीपक राज सिंघल को मुख्य संरक्षक एवं चौधरी सतवीर सिंह को महासचिव घोषित किया है। सभी वरिष्ठ लोगों से सलाह कर एवं जिलाध्यक्ष शीतल टंडन से परमिशन लेकर नगर अध्यक्ष अश्वनी मित्तल ने निम्न कार्यकारिणी घोषित की है। जिसमें मुख्य संरक्षक दीपक राज सिंघल, संरक्षक डॉ अनवर शाहिद, सेठ कुलदीप कुमार, विजेश कंसल, विजय गिरधर. मार्गदर्शक अरुण गुप्ता, संजय चावला, महेंद्र गिरधर, मनोज गर्ग, अजय गर्ग बिट्टा, नगर प्रभारी राजन छाबडा, नगर महामंत्री चौधरी सतवीर सिंह कसाना, नगर कोषाध्यक्ष वरयाम खान, उपाध्यक्ष कुशल सिंघल, देवी दयाल गर्ग, विकास पुंडीर, रविंद्र चौधरी बिट्टू, पवन धीमान, अनुज गर्ग, अखिल

जैन, मुकीम अब्बासी,परवेज खान, संगठन मंत्री डॉ अरविंद जौहरी,अभिषेक मित्तल, नीरज अग्रवाल, राजेश सैनी, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद गुफरान, मंत्री विश्वकांत शर्मा, हिमांशु सिंघल, चौधरी अमित राठी, राजीव राणा, हरविंदर बेदी, नीरज सैनी, चिराग सिंघल, कानूनी सलाहकार देवी दयाल शर्मा एडवोकेट, सभासद विपिन त्यागी, शिवनंदन सिंह, रविंद्र गांधी घोषित किए गए है।

देवबंद में रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बहनों ने अपने भाईयों को तिलक कर उनकी कलाई पर बांधी राखी, भाइयों ने बहनों की रक्षा का लिया संकल्प

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन परंपरागत हर्षोल्लास व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर रक्षा का संकल्प दिलाया। भाइयों ने भी अपनी बहनों की लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी ।अबकी रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को बडे धूम-धाम के साथ मनाया गया। सोमवार सुबह लोगों ने स्नान आदि के बाद तैयार होकर बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई ।राखी बांधने से पहले बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा किया और तिलक लगाया। भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया।भोर से ही भाई-बहनों के घर जाने के लिए निकल पड़े। देवबंद नगर से लेकर देहात तक मिठाई की दुकानें सजी हुई थी। त्यौहार पर बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर जमकर खरीदारी की। सुबह बाइक, ट्रेन और बस से बहनें भाई के घर गई। कहीं-कहीं भाइयों ने बहनों के घर जाकर राखी बंधवायी। पूरे दिन रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों में भी रक्षाबंधन का उल्लास देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों ने भी अपनी-अपनी बहनों से रक्षासूत्र बंधवाए। रक्षाबंधन के त्योहार पर हर जगह चहल-पहल दिखाई दी। सोमवार को भाई शुभ मुहूर्त में राखी बंधवाने अपनी बहनों के घर पहुंचे। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रेशम का धागा बांधकर उनके दीर्घ जीवन की कामना की। इस अवसर बहनों ने भाई को तिलक लगाकर उनको मिठाई खिलाई। भाइयों ने बहनों को रक्षा बांधने के बदले उनकी रक्षा का वचन देकर उन्हें उपहार भी दिए। रक्षाबंधन के इस खास मौके पर बहन से राखी बंधवाने के बाद भाइयों ने खीर, पूड़ी, मालपूवा आदि परंपरागत पकवानों का छककर आनंद लिया।

दिमाग से निकाल दीजिए कि पुलिस की प्रक्रिया है हमको थाना जाना पड़ेगा - नायक

पुलिस कि कलाईयों पर रक्षा सुत्र बांधी वैदिक कान्वेंट कि छात्राएं, मनाया रक्षाबंधन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, यह बात सही है कि बहुत सारी जिम्मेदारियां भाइयों को निभाना पड़ता है कभी-कभी बहनों को भी जिम्मेदारिया निभाना पड़ता है कई बार ऐसा होता है कि भाई किसी काम से गांव में आ जाता है वह अपने घर नहीं पहुंच पा रहा है या फिर भाई घर में रहता है तो बहन कहीं बड़ी जगह में रहकर घर में नहीं पहुंच पा रहे हैं उक्त बातें हेमंत नायक थाना प्रभारी ने आयोजित रक्षा सुत्र कार्यक्रम में कहीं। वहीं थाना लालबर्रा में 19 अगस्त को रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर रक्षा सुत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वैदिक कान्वेंट इंग्लिश स्कूल कि छात्राए अपने शिक्षकों व वैदिक कान्वेंट स्कूल के शिक्षक गगन तुरकर के साथ थाना में पहुंची तथा लालबर्रा थाना में रक्षा सुत्र

कार्यक्रम में एक एक करके सभी छात्राओं ने सभी पुलिस जवानों कि आरती उतारकर तिलक लगाकर उन्हें राखी बांधी गई जिससे पुलिस जवान भाव विभोर हो गए तथा बहुत खुश नजर आए। वहीं अपने उद्बोधन में थाना प्रभारी हेमंत नायक ने छात्राओं को विश्वास में लेते हुए आगे कहे कि ऐसा फिल होता है बहन को भी भाई को भी कि ऐसा तो नहीं कि हम दूर हो रहे किंतु भाई बहन का एक मात्र ऐसा रिश्ता है जो किसी भी स्थिति में प्रत्येक बहन अपने भाई को स्वीकार करती है वह किसी भी स्थिति में हो और भाई भी स्वीकार करता है किसी भी स्थिति में हो और प्रत्येक भाई चाहता है कि हमें कुछ मिले या ना मिले हम सुरक्षित रहे या ना रहे हमारी बहनें सुरक्षित रहे चूंकि हम पुलिस वाले हैं आज भी हम यहां नौकरी कर रहे हैं तो लगभग 6सौ किलोमीटर दूर है और कभी भी आप यकीन मानिए इस नंबर पर हमारा वाट्सअप नंबर है कभी भी यदि किसी को ऐसा लगता है कि हमको अपना नाम भी बतलाना है और हमें पता लग जाये कि आप कि ऐसी ऐसी समस्या है और आप फेस नहीं कर पा रहे हैं या घर वाले फेस नहीं कर पा रहे हैं हन्डरेड पर्सेंट आपको पुलिस का रिस्पांस मिलेगा हम प्रत्येक बहन के साथ खड़े रहेंगे बिल्कुल दिमाग से निकाल दीजिए कि पुलिस कि प्रक्रिया है हमको थाना जाना पड़ेगा चक्कर लगाना पड़ेगा कुछ नहीं करना मतलब जरूरत आयेगी तो आपकी सुरक्षा के लिए हम आपकी सुरक्षा में खड़े रहेंगे इस बात के लिए हम वचनबद्ध हैं और प्रतिबद्ध है यह त्यौहार हम इसलिए नहीं मना रहे हैं कि सिर्फ राखी बंधेगी यहां पर यह वादा कर रहे हैं हम आप लोगों से कि हमारी जिस कंडीशन में जिस जरूरत में आवश्यकता पड़ेगी जब आप चाहें मुझे काल कर सकते हैं हम आपके पास है प्रत्येक बहन के साथ है सहित अन्य और भी बातें कहीं हैं ।वहीं इस दौरान शशांक राणा उप निरीक्षक,महेंद्र सिंह बघेल उपनिरीक्षक, वैशाली उइके,कंचन जझांड़ें,कुंवर सिंह टेकाम, लिखेन्द्र सिंह बिसेन, राधेश्याम बघेल, गोविन्द तोमर, हेमंत बिसेन, हरिकृष्णा राठौर,अमर पांडे, सहित अन्य और भी पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे हैं।

रथ में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले बाबा ओंकारेश्वर

सावन के अंतिम सोमवार को भी शिवमंदिरों में भक्तों की भीड़

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, सावन माह के अंतिम सोमवार को भी सुबह से शिवमंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटी रही। सुबह जहां भक्त भगवान का अभिषेक कर पूजन करते रहे तो वहीं शाम को बाबा ओंकारेश्वर महादेव भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। चीलर नदी किनारे स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से बाबा रथ में सवार होकर अपनी प्रजा के हाल जानने निकले और सवारी मार्ग पर जगह-जगह बाबा की भक्तों ने पूजा-अर्चना की। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष सावन माह में ओंकारेश्वर महादेव की चार और भादव में एक शाही सवारी निकाली जाती है, लेकिन इस वर्ष सावन के पांच सोमवार होने पर पांचवी सवारी निकाली और 26 अगस्त को बाबा ओंकारेश्वर की शाही सवारी निकाली जाएगी।

न्यू मार्केट लालबर्रा का शुभारंभ किया गया

सरपंच अनीस खान ने फीता काटा, व्यापारियों में हर्ष

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अन्तर्गत हाईस्कूल मार्ग पर जनभागीदारी से नव निर्मित न्यू मार्केट लालबर्रा का शुभारंभ ता 18 को व्यापारियों व सरपंच अनीस खान सहित अतिथियों की उपस्थिति में सादे समारोह में सम्पन्न हुआ। ज्ञात हो कि जनपद पंचायत लालबर्रा द्वारा आवंटित दुकाने जिनका किराया भी दुकानदार विगत लगभग 40-50 वर्षो से जमा कराते चले आ रहे थे उन्हें अवैध अतिक्रमण करार देते हुए 15 माह पूर्व तोड़ दिया गया था जिससे लालबर्रा का मार्केट उजड़ गया था इससे आहत व्यापारी वर्ग ने दो माह तक अपने परिवार वालो के साथ धरना प्रदर्शन भी किया था और माननीय हाईकोर्ट जबलपुर का दरवाजा खटखटाया, जिस पर मा उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा आदेश पारित कर कलेक्टर बालाघाट को वैकल्पिक व्यवस्था करने कहा गया था जिसकी सुनवाई पश्चात न्यायालय कलेक्टर श्री गिरीश मिश्रा द्वारा आदेश पारित कर ग्राम पंचायत

पांढरवानी लालबर्रा को अस्थाई दुकानों के लिए भूमि व व्यवस्थापन हेतु आदेश जारी किए गए थे जिस पर ग्राम पंचायत सरपंच अनीस खान के द्वारा व्यापारियों के साथ बैठक लेकर व्यापारीयो से चर्चा कर हाईस्कूल मार्ग पर जनभागीदारी से न्यू मार्केट लालबर्रा का निर्माण किया गया। जिसमे कुल 15 पीठिशनरो के लिए 15 दुकान बनाई गई है और पारित आदेश अनुसार 15 पीड़ित व्यापारियों को ही ये दुकान विधिवत औपचारिकताये पूर्ण करने पर प्रदाय की गई है। सभी व्यापारियों के द्वारा एक सादे समारोह में ग्राम पंचायत सरपंच अनीस खान, वरिष्ठ समाजसेवी रामदास जी अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती द्वारा फीता कटवाकर न्यू मार्केट लालबर्रा का शुभारंभ किया गया है, इस अवसर पर संजय अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, अशोक जैन, सईद अंसारी, मनीष शास्त्री, मोइनुद्दीन हनफ़ी, शहजादा खान, संदीप बंसल, मो रफीक, जुबेर खान, रोहित0 सांखला, सलीम खान, अरुण अग्रवाल, दिलचंद, सहित व्यापारीगण व स्थानियजन उपस्थित थे।

ब्राह्मण समाज के सुपरवाइजर से मंत्री ने अस्पताल में लगवाया झाड़ू

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने पूरे ब्राह्मण समाज को किया अपमानित - कल्पना वर्मा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, रैगांव विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने सतना जिले की अस्पताल में रत्नेश मिश्रा सुपरवाइजर से राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के द्वारा जिला अस्पताल में झाड़ू लगवाए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है । श्रीमती बर्मा ने कहा है कि 18 अगस्त को जब राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी जिला अस्पताल के भ्रमण पर थी उस समय रत्नेश मिश्रा सुपरवाइजर को तलब कर कचरे के ढेर में लिटाने के लिए निर्देशित किया व उनसे झाड़ू मंगवा कर झाड़ू लगाने के निर्देश देकर उन्हें अपमानित किया व बेइज्जत किया जो कि इतने बड़े समाज को अपमानित कर देने वाली घटना है एवं ब्राह्मण समाज के लिए आज का दिन काला दिवस के रूप में साबित होगा ।श्री मती बर्मा ने अस्पताल के प्रशासन पर भी हमला बोला व कहा कि सरेआम एक ब्राह्मण युवक बेइज्जत होता रहा व अस्पताल का प्रशासन तमास बीन बना देखता रहा ।राज्य मंत्री ने रत्नेश मिश्रा को झाड़ू न लगाने पर नौकरी से भी निकाल देने की धमकी दी श्रीमती वर्मा ने कहा है कि जहां एक और प्रधानमंत्री जी से लेकर मुख्यमंत्री जी मंत्री व अन्य नेता गण स्वच्छता के नाम पर झाड़ू लगाते हैं वहीं दूसरी तरफ राज्य मंत्री के द्वारा ब्राह्मण समाज को टारगेट कर जानबूझ कर उनसे सरेआम झाड़ू लगवाई जाती है व अपमानित किया जाता है श्री मती बर्मा ने कहा है कि अगर मंत्री जी इतनी सजगता अपने विभाग के प्रति दिखाये तो जनता का भला होगा एवं श्रीमति वर्मा ने कहा कि आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी को ब्राह्मण समाज के लोग कभी भी माफ नहीं करेंगे व राज्य मंत्री को पूरे समाज से माफी मांगनी चाहिए।

रक्षाबंधन पर्व पर जिला जेल के 207 बंदियों को उनकी बहनों ने उत्साहपूर्वक बांधीं राखी

जेल में बंद 9 बहनों से राखी बंधवाने पहुंचे भाई

कटनी, जिला जेल कटनी में भाई - बहन के स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन उत्साहपूर्वक उत्सवी माहौल में मनाया गया। यहां निरुद्ध बंदियों की बहनें सबेरे 8 बजे से ही यहां पहुंच कर जेल में बंद अपने भाई की कलाई में राखी बांधने के लिए पंजीयन कराकर 207बंदी भाईयों को राखी बांधी और सज़ा काटने के बाद भविष्य में अपराध की दुनिया से नाता तोड़ने का संकल्प शगुन में मांगा। भाईयों ने भी अपनी बहनों को नेग में अपराध नहीं करने का विश्वास दिलाया। बंदियों को बहनों से जेल के अंदर खुली मुलाकात की बेहतर व्यवस्था जेल प्रबंधन द्वारा की गई थी।

जिला जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी ने बताया कि पुरुष बंदियों को राखी बांधने हेतु मुलाकात केवल उनके परिवार की महिला सदस्य व 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों को ही जेल गेट के अंदर प्रवेश दिया गया। महिला बंदियों के भाईयों को दोपहर 12 बजे के बाद मुलाकात, राखी बंधवाने का समय निर्धारित किया गया था ।मुलाकात प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक पंजीकृत की गई। बंदियों के परिजन पहचान हेतु आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटो कॉपी साथ लेकर पहुंचे थे। जेल प्रबंधन द्वारा मुलाकात के दौरान अपने कीमती सामान पर्स, मोबाईल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रूपया, पैसा और कोई भी मादक पदार्थ इत्यादि लेकर आना पहले ही प्रतिबंधित किया गया था।

मुलाकात के दौरान बाहर से बने किसी भी प्रकार के मिष्ठान अथवा कोई भी अन्य सामग्री को जेल के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। केवल जेल कैंटीन से मिलने वाली रक्षाबंधन विशेष किट (राखी, मिठाई, कुमकुम, फल, नारियल एवं रूमाल) ही स्वीकार किये गये ।, जो जेल केंटीन से दो मूल्य वर्गो 100 रूपये एवं 150 रुपये भुगतान कर बहनों ने खरीदा।

525 से अधिक बहनों ने बांधीं राखी

जेल अधीक्षक श्री चतुर्वेदी ने बताया कि जिला जेल कटनी में रक्षा बंधन का त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया । जिसमें 207 बंदियों की कलाई में 525 से अधिक बहनों ने जेल में उपस्थित होकर अपने भाई की कलाई में राखी बांधी। इसके अलावा 9 महिला बंदियों से राखी बंधवाने उनके भाई भी जिला जेल पहुंचे थे

केंद्रीय जेल में रक्षाबंधन पर्व पर बहनों ने बंदी भाईयों के कलाईयों पर बांधी राखी

छलके आंसू कारागार में उमड़ा भाई बहन का प्यार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, केंद्रीय जेल में रक्षाबंधन पर्व पर बहनों ने बंदी भाईयों के कलाईयों पर बांधी राखी भाईयों से मिलकर बहनों के छलके आंसु श्रीमती लीना कोष्टा. जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल सतना के मार्गदर्शन एवं जेल उप अधीक्षक श्री श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में केन्द्रीय जेल सतना में रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जेल मुख्यालय म0प्र0 भोपाल के आदेश के पालन में सोमवार को केन्द्रीय जेल सतना में बंदी भाईयों से उनकी बहनों की मुलाकात हेतु जेल प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी, वर्षा से बचाव हेतु टेंट की व्यवस्था, बंदियों की बहनों हेतु अक्षत सहित थाली एवं जेल कैन्टीन में मिष्ठान व फल की व्यवस्था की गई ।बंदियों की बहनें रक्षा सूत्र बाँधने भारी संख्या में केन्द्रीय जेल सतना में उपस्थित हुई। बहनों द्वारा अपने-अपने भाईयों की कलाई पर राखी बाँधी और मिष्ठान से भाईयों का मुह मीठा कराया। इस मौके पर बंदी भाईयों एवं बहनों के चेहरे खुशी से खिल उठे ।भाई-बहन के इस पावन त्यौहार के अवसर पर 22 महिला बंदियों से 41 भाईयों व 1057 बंदी भाईयों से 2565 बहनों व 847 बच्चों ने मुलाकात कर रक्षाबंधन त्यौहार मनाया ।इस कार्यक्रम को व्यवस्थित व सफल बनाने के लिये अधिकारी/कर्मचारियों को जिम्मेदारी तय की गई थी जिसे उनके द्वारा पूरी निष्ठा से निर्वहन किया गया ।इस पर्व के अवसर पर श्रीमती लीना कोष्टा जेल अधीक्षक, जेल उप अधीक्षक श्री श्रीकांत त्रिपाठी, कल्याण अधिकारी श्री अनिरूद्ध कुमार तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक श्री अभिमन्यु पाण्डेय, जेल स्टाफ व बंदीगण उपस्थित रहें।

पैसों का लेन देन बना जल जीवन मिशन ठेकेदार की हत्या का कारण

पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी, साथी ही निकला मास्टरमाइंड

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, एन. के.जे. पुलिस ने जल जीवन मिशन ठेकेदार की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। मामले के खुलासा करते हुए पत्रकारवार्ता में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया कि सूचनाकर्ता मुकेश ठाकरे ने दिनांक 16.08.2024 को थाना आकर अपने चाचा शिवरतन ठाकरे पिता यदोराव उम्र 37 वर्ष निवासी थाने गांव तह. बारासिवनी जिला बालाघाट हाल पता शिवदर्शन नगर चालीस गांव महाराष्ट्र की गुमशुदगी की रिपोर्ट लेख कराया जिसकी रिपोर्ट पर थाना एन.के.जे. कटनी में गुमइंसान कायम कर जाँच में लिया गया ।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक, अति पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं नगर पुलिस

अधीक्षक के मार्ग दर्शन पर टीम गठित किया गया। टीम द्वारा सायबर सेल की मदद से गुमशुदा की टावर लोकेशन का अवलोकन किया गया एवं लगभग 50 सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज चेक किये गये। गुमशुदा के भतीजे मुकेश ठाकरे के कथन लेख किये गये जो अपने कथनों में संदेह जाहिर करते हुए बताया कि चाचा के साथ पूर्व में काम करने वाले किशन तिवारी एवं उसका चचेरा भाई विवेक उर्फ राज तिवारी की कार में मेरे चाचा को बैठा कर ले गये है मुझे अंदेशा है की मेरे चाचा के साथ कुछ गलत न कर दिये हो जो इस आधार पर दोनो संदेहियों पर संदेह और सूद्रढ़ होने के बाद संदेही विवेक उर्फ राज तिवारी एवं किशन तिवारी से कड़ाई से पूछताछ की गई जो अपने जुर्म को स्वीकारते हुए बताये कि बैंक से शिवरतन को अपनी गाड़ी में बैठाकर किशन तिवारी ने चलती गाड़ी में शिवरतन से अपने पैसों की माग की जो शिवरतन द्वारा पैसे देने में आना कानी करने पर किशन तिवारी एवं शिवरतन का विवाद हो गया जिसके बाद सुर्खी टैंक के पास किशन तिवारी के इसारें पर विवेक उर्फ राज तिवारी द्वारा अपने हाथो से गाड़ी में आगे बैठे शिवरतन ठाकरे का गला पकड़कर धारदार चाकू से दो तीन चार गला रेता गया एवं जब शिवरतन ठाकरे हाथ पैर चलाकर गाड़ी से उत्तरने का प्रयास करने लगा तो किशन तिवारी गाड़ी सुर्खी टैंक के अंदर ले जाकर कुछ देर रूक कर वही पड़ा पत्थर उठाकर शिवरतन के सर में जोर से मारा जिससे शिवरतन मर गया। शिवरतन की हत्या करने के बाद योजनाबद्ध तरीके से दोनो संदेहियों द्वारा ग्राम उबरा अजीत गुप्ता के खेत के मेड़ के पास गड्ढा खोदकर गड़ा दिये है। दोनो संदेहियो के बताये अनुसार मेमोरेण्डम तैयार कर ग्राम उबरा गुरुकुल स्कूल के सामने अजीत गुप्ता के बने खेत में बने घर के पीछे मेड के पास पहुंच कर मौके पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट श्री नरेन्द्र खरे की उपस्थित में गड्डा खोदकर देखने पर एक मानव शव उम्र करीबन 37-38 वर्ष का मिलने पर शव को बाहर निकाल तथा मौके पर शव के परिजनों द्वारा उक्त मानव के शव को शिवरतन ठाकरे की रूप में पहचान की गई। मौके पर देहाती मर्ग इंटीमेशन कायम किया गया। मृतक शिवरतन ठाकरे के शरीर गले सिर के पीछे नाक में गभीर चोट के निशान होना पाया गया। सम्पूर्ण मर्ग जाँच पर से अपराध घारा सदर 103(1), 238.3(5) चीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जावेगा।

भाईयों को राखी बांधने जेल पहुंची बहनें

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षा बंधन का त्यौहार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, रक्षा बंधन के त्यौहार पर बहनों ने अपने भाईयों को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और स्नेह के धागे से भाई की कलाई को सजाते हुए भाई का मुंह भी मीठा कराया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार के साथ-साथ सुरक्षा करने का वचन दिया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रक्षा बंधन पर्व जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इसीके चलते भाई की कलाई पर सोमवार को राखी बांधने के लिए बहनें लंबी दूरी तय कर भाई के पास पहुंचीं, जिसके चलते बाजार में भी रौनक बनी रही। गौरतलब है कि रक्षा बंधन पर्व के एक दिन पूर्व ही अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई सजाने के लिए राखी की खरीदी करली थी, लेकिन रक्षा बंधन पर भी राखी और मिठाईयों के अलावा अन्य सामान की खरीदी की गई जिसके चलते बाजार में दिनभर रौनक बनी रही। इसीके साथ कपड़ा, मोबाईल शॉप पर भी खरीदी के लिए भीड़ बनी रही। बहनों ने पूजन के लिए कुमकुम और नारियल की भी खरीददारी की और यह सिलसिला शाम तक जारी रहा। इसके बाद बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी।

रेल और बसों में रही भारी भीड़
रक्षा बंधन त्यौहार के चलते स्थानीय बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। कुछ भाई अपनी बहन से तो कुछ बहनें अपने भाई से मिलने के लिए सफर पर निकलीं जिसके कारण बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ जमा हो गई यह स्थिति देरशाम तक बनी रही। इसीके साथ भाई के मुंह को मीठा करने के लिए बहनों ने मिठाईयों की खुब खरीदी की जिसके तहत बाजारों में भी विभिन्न तरह की मिठाईयों की दुकानें सजी हुई थीं।

राखी बांधने जेल पहुंची बहनें
जिला जेल में रक्षा बंधन का पर्व मनाया गया और जेल में बंदी भाईयों को राखी बांधने के लिए लंबी दूर तय कर बहनें पहुंची। सुबह से ही बहने भाईयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए जेल के बाहर लंबी कतार लगाकर खड़ी हो गईं थीं। जेल परिसर में पहुंची बहनों ने भाई के माथे पर कुमकुम तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांध रक्षा बंधन पर्व मनाया। उप जेल अधीक्षक सुनिलकुमार मंडलेकर ने बताया कि त्यौहार के दौरान जेल पहुंचने वाली बहनों को किसी तरह की परेशानी न हो इसको लेकर माकूल व्यवस्था की गई थी। साथ ही सुरक्षा के लिहाज से जेल में प्रवेश देने के पूर्व महिला पुलिसकर्मियों द्वारा राखी बांधने पहुंची बहनों की सूक्ष्मता से चेकिंग की गई।

कियोस्क सेंटर की आढ़ में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने पर प्रशासन की कार्रवाई

अस्पताल परिसर से हटाया सेंटर, दस्तावेज और उपकरण जब्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, कियोस्क सेंटर की आढ़ में फर्जी ढंग से जन्म प्रमाण पत्र बनाने के मामले में प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए जिला अस्पताल परिसर में संचालित कियोस्क सेंटर को हटाया गया। साथ ही उपकरण और दस्तावेजों को जब्त कर सील किया गया है। शाजापुर जिला अस्पताल परिसर में कई वर्षों से कियोस्क सेंटर का बिना अस्पताल प्रबंधन की अनुमति के अवैध ढंग से संचालन किया जा रहा था। कियोस्क सेंटर संचालिका के द्वारा लोगों से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर 700 रुपये की राशि ली जा रही थी और उन्हे अस्पताल की फर्जी सील लगाकर नकली प्रमाण पत्र दिया जा रहा था। जिला अस्पताल प्रबंधन ने मामले को लेकर कई बार थाना कोतवाली और अन्य विभागों से पत्राचार किया था, लेकिन जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नही दिया। नतीजतन बिना रोकटोक बेखौफ होकर कियोस्क सेंटर में फर्ज़ी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का सिलसिला जारी रहा। इसके बाद फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने के मामले मीडिया के द्वारा प्रशासन का कियोस्क सेंटर की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया, जिसके बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। सोमवार सुबह नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजय साल्वे, सिविल सर्जन डॉ एमके जोशी ने

अपने अधीनस्थों के साथ मिलकर कियोस्क सेंटर को अस्पताल परिसर से हटाने की कार्रवाई की। नायब तहसीलदार ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन की अनुमति के बिना परिसर में टेंटनुमा कियोस्क सेंटर संचालित हो रहा था, जिसे जांच उपरांत हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान मौके से मिले कम्प्यूटर, प्रिंटर सहित अन्य उपकरणों और दस्तावेजों को जब्त कर पंचनामा बनाकर सील किया गया। जब्त सामान को अस्पताल प्रबंधन के सुपुर्द किया गया है।

वर्षों से चल रहा था फर्जीवाड़ा जिला अस्पताल परिसर में कियोस्क सेंटर की आढ़ में वर्षों से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने का कार्य किया जा रहा था और कियोस्क संचालिका के द्वारा इसके एवज में आवेदक से 700 रुपये से लेकर 1 हजार रुपये तक वसूले जा रहे थे। मामले में अस्पताल प्रबंधन को पूरी जानकारी थी, लेकिन अधिकारी कार्रवाई नही कर पा रहे थे। जिला प्रशासन को फर्जीवाड़े की सूचना लगी तो तुरंत ही मामले को संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गई। चूंकि बिना अनुमति के अस्पताल परिसर में कियोस्क सेंटर संचालित हो रहा था, इसलिए प्रशासन ने उसे सील करने की बजाय हटाने की कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद कई लोगों ने अपनी पीड़ा बताई कि उनसे आधार कार्ड के साथ जन्म प्रमाण बनाने के लिए हजारों रुपये की राशि वसूली गई थी, जिनमें से कुछ के काम हो गए हैं और कुछ के काम होना शेष हैं।

महिला डॉ, मौमिता देबनाथ की निर्मम हत्या के विरोध में अखिल भारतवर्षीय नाम समाज ने मौन प्रदर्शन कर विरोध जताया

पश्चिम बंगाल कोलकाता में महिला डॉक्टर की निर्मम हत्या के विरोध में, समाज एकत्रित होकर।
अखिल भारतवर्षीय नाथ समाज इंदौर मध्य प्रदेश के नेतृत्व में मौन प्रदर्शन,, राष्ट्रपिता बापू की प्रतिमा रीगल चौराहे स्थित सर्किल पर,नाथ समाजजनों द्वारा कैंडल मार्च व पुष्प अर्पित कर, संगठन के सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी। काली पट्टी बांधकर एवं मोन रैली, निकालकर, नाथ समाज संगठन ने पश्चिम बंगाल की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर जमकर नारेबाजी की। घटना के विरोध में दोषियों को फांसी की सजा हो समाज की बेटी को न्याय मिले,। प्रदेश सचिव लेखराज जोगी ने बताया कि डॉक्टर बिटिया की निर्मम जगन्य हत्या के विरोध में दुख जताते हुए कहा, कि बहुत ही मानवता को तार तार करने वाली घटना है। फास्ट्रेक कोर्ट केस दायर कर तुरंत इंसाफ मिले। समाज एवं संगठन इंदौर शहर के सर्व समाज सहित प्रत्यय भारतवासियों का एक ही कथन हैं,हम दोषीयो को फांसी की सजा चाहते हैं। गुनहगारों को फांसी दो, जगन्य हत्याकांड के विरोध में नाथ समाज संगठन ने मोन काली पट्टी बांधकर रोष जताया संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केदारनाथ योगी सह संयोजक वीरेंद्र योगी,बालकिशन छाबड़ी राष्ट्रीय धर्माचार्य राजनाथ योगी, इंद्रेश चौहान ,मनोज चौहान, राजेश पवार, अजीत परिहार डॉक्टर सत्यनारायण योगी, -डॉ शरद योगी आशीष छाबड़ी ,छगन चौहान , राजेंद्र, इंदौर संभाग मीडिया प्रभारी मनोज जोगी आदि ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉक्टर बिटिया को न्याय मिले, जगन्य हत्या के विरोध में समाजजनों द्वारा कैंडल मार्च,मोन प्रदर्शन जताया गया।

सोया प्लांट में कर्मचारी की मौत का मामला

आक्रोशित लोगों ने थाने में किया हंगामा

कंपनी द्वारा 30 लाख रुपए व परिवार को आजीवन पेंशन देने की मदद की

बदनावर । बदनावर के खेरवास में स्थित सोया प्लांट में शनिवार को हुए हादसे में एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। इसी मामले में रविवार सुबह परिजन और आक्रोशित लोगों ने थाने पहुंचकर हंगामा किया। साथ ही सोया प्लांट प्रबंधकों के खिलाफ नारेबाजी कर मृतक को न्याय दिए जाने के नारे लगाए। मृतक के परिवार को कंपनी से मुआवजा राशि दिलाने की मांग की गई। हंगामा कर रहे लोगों ने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक पीएम नहीं करवाया जाएगा। बाद में मृतक के परिवार को मुआवजे की राशि कंपनी द्वारा स्वीकृत करने की मांग माने जाने के बाद में मृतक का पीएम करवाने पर लोग माने।

गौरतलब कि शनिवार दोपहर में सोया प्लांट के टैंक में मेंटेनेंस करने के लिए अन्य कर्मचारियों के साथ काम करने के दौरान कर्मचारी दर्शन सिंह पिता विक्रमसिंह राजपूत निवासी अंबेडकर चौराह्य पैर फिसलने से मशीन के अंदर आने से घावल हो गया था। पिटगारा स्थित सरदार पटेल हॉस्पिटल से नाजुक हालत में रतलाम ले जाया गया था। लेकिन वहां पहुंचने के पहले उसने दम तोड़ दिया था। बाद में देर शाम शव को सिविल अस्पताल लाया गया था।

पीएम कक्ष में था अंधेरा मोबाइल की लाइ?टें जलाकर पीएम कक्ष में शव को रखवाया पीएम कक्ष में अंधेरा होने के कारण तहसीलदार सुरेश नागर, थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान एवं परिजनों ने आधे घंटे तक लाइट चालू होने का इंतजार किया। अधिकारियों ने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर शव को पीएम कक्ष में रखवाया।

सोया प्लांट में हमलोगों का हो रहा शोषण थाने पहुंचे कर्मचारी योगेश, अजय, लखन, महेश आदि ने बताया कि सोया प्लांट में हम लोगों का शोषण हो रहा है। कंपनी में 700 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं, लेकिन एंबुलेंस तक की व्यवस्था नहीं है। सरदार पटेल की एंबुलेंस अटैच कर रखी है। जरूरत पड़ने पर उसे ही बुलाया जाता है, जो यहां से 7 किमी दूर है। पेयजल भी स्वच्छ नहीं मिलता है। 40 किलो का कहकर 80 किलो वजन के बारे उठवाए जाते हैं। प्लांट में बगैर सेफ्टी के भेग दिया जाता है। जूते व मास्क भी नहीं दिया जाता है। प्रबंधक से शिवस्पत करने की बात पर बाहर निकालने की धमकियां दी जाती है। ओवर टाइम का पैसा भी कम दिया जाता है।

थाने में हंगामे के दौरान एबीएस ग्रुप के अधिकारी मौजूद रहे थाने में हंगामे के दौरान एबीएस ग्रुप द्वारा संचालित सोया प्लांट के एचआर हेड अजीत मणि, सोया प्लांट के प्रबंधक अमित ओक्षा, कंपनी के छत्तर शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। कंपनी ने मूक्तक दर्शनसिंह के परिवार को आर्थिक सहायता देने का लिखित में आश्वासन दिया है। साथ ही मृतक के माता-पिता को 90त्न पेंशन आजीवन कंपनी द्वारा दिए जाने की बात कही। कंपनी व परिजन के बीच लिखित में पंचनामा बनाने के बाद परिजन व अन्य लोग सिविल अस्पताल पहुंचे और फिर पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतक के गृह गांव ले जाया गया।

किराना दुकान में चोरी करने वाले आरोपीयों को बड़नगर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

आरोपियों से बीडी, सिगरेट, विमल के पाऊच, तेल के पाऊच, मिर्ची अनुमानित क़ीमत 12,000/-रू एवं 4000/- रू नगदी किए गए बरामद

पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा चोरी, लूट, डकैती जैसी घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने एवं आरोपी की गिरफ्तारी कर मश्रुका बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नितेश भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बडनगर श्री महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बडनगर श्री अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा दिनाँक 15.08.24 को किराना दुकान में चोरी करने वाले आरोपीयों को गिरफ्तार कर आरोपीयों के कब्जे से बीडी, सिगरेट, विमल के पाऊच, तेल के पाऊच, मिर्ची एवं नगदी 4000/- रूपये जप्त किये गये।

घटना का विवरण थाना बड़नगर पर दिनांक 17.08.24 को फरियादी शिकायत दर्ज़ करवाई गई थी कि दिनांक 14/08/24 की मध्य रात्री को कोई अज्ञात बदमाश मेरे निर्माणाधीन मकान की छत से मेरी दुकान में उतर कर किराने का सामान: बीडी, सिगरेट, विमल के पाऊच, तेल के पाऊच, मिर्ची, शैम्पू आदि कीमती करीबन 12000/- रूपये) एवं नगदी 4000/- रूपये कुल कीमती 16000/- रूपये का चुराकर ले गया है फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना बडनगर पर अपराध क्रमांक 412/24 धारा

309(2) बी.एन.एस. का पंजिबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्यवाही थाना बडनगर पुलिस को आरोपियों के विषय में मुखबिर सूचना प्राप्त हुई जिस पर थाना बडनगर पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची तथा आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकारा बाद आरोपियों द्वारा बताए गए स्थान से चोरी किया गया किराने का सामान एवं नगदी बरामद की गई।

जप्त मशरुका किराने का सामान बीडी, सिगरेट, विमल के पाऊच, तेल के पाऊच, मिर्ची, शैम्पू आदि कीमती करीबन 12000/- रू एवं नगदी 4000/- रू कुल कीमती 16000/- रू।

आरोपियों का विवरण -1-निर्मल पिता भेरू उम्र 25 साल निवासी ग्राम अमला।

2- नन्दकिशोर पिता हरिराम उम्र 24 साल निवासी ग्राम अमला।

सराहनीय भूमिका -थाना प्रभारी बड़नगर श्री अशोक कुमार पाटीदार, सउनि. गोवर्धनदास बैरागी, आर. मुकेश नागर एवं सैनिक अश्चिन नरवरिया की सराहनीय भूमिका रही।

लाड़ली बहनों का प्रेम और आशिर्वाद सदैव मिलता रहे

नागदा के बादीपुरा-आजादपुरा की बहनों को मिलेंगे पट्टे

बहनों के चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहे

डॉ. मोहन यादव ने नागदा में लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होकर बहनों से राखी बंधवाई

उज्जैन । रक्षाबंधन का पर्व भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का मुख्य त्यौहार है और इसी पावन त्यौहार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई वर्षों से अपने विधानसभा क्षेत्र उज्जैन दक्षिण की बहनों से रक्षासूत्र बंधवाते आ रहे हैं और इसके बावजूद अब मुख्यमंत्री होने के नाते पूरे सावन माह बहनों को समर्पित करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों में लाड़ली बहनों से राखी बंधवाई। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सावन माह की पूर्णिमा के पावन पर्व रक्षाबंधन पर सोमवार 19 अगस्त को उज्जैन जिले के नागदा के बादीपूरा- आजादपूरा में लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रम में बहनों से हर्षोल्लास के साथ राखी बंधवाई। इस अवसर पर उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों का प्रेम और आशिर्वाद सदैव मिलता रहे। नागदा की बादीपूरा-आजादपूरा की बहनों को मिलेंगे पट्टे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उपस्थित सैकड़ों बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि लाड़ली बहनों के चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहे। उन्होंने रक्षा बंधन के पावन पर्व पर प्रत्येक बहन को सुख, समृद्धि और आत्म सम्मान से परिपूर्ण जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। इस दिन बहन अपनी रक्षा के लिए भाई को राखी बाँधती है। यह पर्व मात्र रक्षा का संदेश नहीं देता अपितु प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के द्वारा आपसी प्रेम को भी बाँधने का वचन देता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के पूर्व अचानक नागदा के बादीपूरा, आजादपूरा निवासी लाड़ली बहना श्रीमती आशा बोरासी पति श्री रामफेर बोरासी के मकान पर अचानक पहुंचकर उनसे एवं उनकी बहु श्रीमती अनिता पति राज बोरासी से रक्षासुत्र बंधवाकर बहनों से आशिर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अचानक पहुंचने पर दोनों साँस-बहू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मोहल्लेवालों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार तरीके से स्वागत अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्यौहारों की परंपरा में त्यौहारों की गहराई मालूम नहीं पड़ती । हमारे भारतवर्ष में परिवार परंपरा एवं कुटूंब परंपरा इन्हीं त्यौहारों की गहराईयों में छिपी है। हमारें ऋषिमुनियों आदि ने इन तीज त्यौहारों की परंपरा बनाई, इसी में हमारे परिवार कुटूंब परिवार में झलक दिखलाई देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शक्ति, भक्ति से ही प्रेम की धारा निकलती है। हमारे देश-प्रदेश में अमन चैन रहे। हम सब नैतिकता, सज्जनता, ईमानदारी एवं भाईचारे से काम करते रहें। यही बात हमारे तीज त्यौहारों में छिपी है। त्यौहार सबके साथ मनाने की परंपरा है। सबका जीवन आनंदमयी होना चाहिए। हमारे तीज त्यौहार आनंद के ही होते हैं। सरकार का यही संकल्प है कि सबका भला हो। क्षेत्रिय विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि आजाद भारत में आजाद नगर नागदा में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों से रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अपने परिवार में आकर रक्षासुत्र बंधवाकर उन्होंने एतिहासिक काम किया है। यह क्षण अविस्मर्णिय रहेगा। उन्होंने आजाद नगर-बादीपूरा की झोंपड़पट्टी निवासी बहनों को पट्टे दिलाने की माँग की। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कन्यापूजन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, क्षेत्रिय विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, एस पी श्री प्रदीप शर्मा, श्री सुल्तान सिंह शेखावत, पूर्व विधायक श्री लालसिंह राणावत, श्री राजेन्द्र भारती, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओपी गेहलोत, पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण, लाड़ली बहनें आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय का उज्जैन आगमन पर स्वागत किया

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री साय को महाकालेश्वर मंदिर की प्रतिमा भेंट की

उज्जैन /सोमवार को श्रावण माह के आखिरी सोमवार तथा रक्षाबंधन के पर्व पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन करने सपरिवार उज्जैन आए। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का सर्किट हाउस पर स्वागत किया और उन्हें भगवान महाकालेश्वर मंदिर की प्रतिमा भेंट की।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, श्री संजय अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

क्षमता से अधिक सवारी का परिवहन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध परिवहन ओर यातायात पुलिस ने की कार्यवाही, धार राजगढ़ ओर सरदारपुर मे 49 चालान बनाकर 67 हजार का वसूला जुर्माना

धार, सरदारपुर । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एव पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में रविवार को परिवहन विभाग एवम यातायात पुलिस द्वारा ऐसे यात्री बसों के विरुद्ध कार्यवाही की गई, जिसमे क्षमता से अधिक सवारी को परिवहन कराया जा रहा था।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी धार हृदेश यादव के नेतृत्व में संयुक्त टीम के द्वारा बस की छतों पर बैठे यात्रियों को उतरवाया। साथ ही सख्ती से चालानी कार्यवाही की गई। कार्यवाही धार मुख्यालय, सरदारपुर एवम राजगढ़ में की गई। जिसमे कुल 49 चालान बनाए गए। चालानी कार्यवाही में कुल 67 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। श्री यादव ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक

जिम्मेदारी है, यदि यात्री बस संचालकों के द्वारा यात्रियों के परिवहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती जाएगी तो पुलिस प्रशासन सख्ती से कार्यवाही करेगा। संपूर्ण जिले में कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। कार्यवाही में थाना प्रभारी राजगढ़ संजय रावत, सूबेदार रोहित निकम, एएसआई भगवान सिंह सिसौदिया, प्रधान आरक्षक जितेंद्र करनावत, परिवहन विभाग से मधुकर सिसोदिया, प्रवीण आदि उपस्थित थे।

संपूर्ण मध्य प्रदेश में राजस्व महा अभियान चल रहा है जिसमे प्लांट भूमि को समग्र से जोड़ा जा रहा है

संपूर्ण मध्य प्रदेश में राजस्व महा अभियान चल रहा है जिसके अंतर्गत जितने भी भूमि धारक है जितने भी लोगों की कृषि भूमि है प्लांट है उनके प्लांट भूमि समग्र से जोड़ा जा रहा है जिसमें भविष्य में जितनी भी शासन की योजना होगी उसका इनको सीधा लाभ मिल पाएगा साथ में जो भी जमीन को लेकर फर्जीवाड़ा होते हैं उनसे भी बचाव होगा क्योंकि समग्र आधार और भूमिका सर्वे नंबर आपस में जुड़ जाएंगे और इससे भूमि स्वामी को फायदा मिलेगा फर्जी तरीके से जमीन के क्रय विक्रय पर भी रोक लगेगी और शासन की योजना का सीधा लाभ भूमि स्वामी या प्लाट धारक को मिल पाएगा यह योजना आगे भी चलती रहेगी इसी को लेकर हमारे कर्मचारी गांव गांव और गली में योजनाओं का लाभ देने के लिए लोगों को समझाइए दे रहे हैं और योजना के लाभ बता रहे हैं यह जानकारी तहसीलदार कुलभूषण शर्मा द्वारा हमारे संवादाता को दी गई

शुभ महोरत पर रक्षाबन्धन महोत्सव मनाया गया

आम्बुआ- इस साल रक्षाबंधन के दिन भद्रा काल सुबह 5.53 बजे से शुरू होकर दोपहर 1.32 बजे खत्म हुआ। जिसके चलते दोपहर बाद शुभ मूहरत शुरू हुआ ।प्राचीन काल से ही अपने देश के उत्सव एवं पर्व,सामाजिक, समरसता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ाने वाले रहे हैं। रक्षाबन्धन इसी परम्परा की एक सशक्त कड़ी है ।वर्तमान में रक्षाबन्धन के त्योहार को आमतौर पर भाई-बहनों का पर्व मानते हैं लेकिन, अलग-अलग स्थानों एवं लोक परम्परा के अनुसार अलग-अलग रूप में रक्षाबन्धन का पर्व मानते हैं। राखी या रक्षाबन्धन भाई और बहन के रिश्ते की पहचान

माना जाता है. राखी का धागा बांध बहन अपने भाई से अपनी रक्षा का प्रण लेती है। इस बार त्योहार को लेकर उत्साह दिखा वही बाजारों मे भी रोनक रही राखी व मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही भारी भीड़ दिखी पुलिस बल भी अपनी सेवाएं देते नजर आए ताकी कोई अप्रिय घटना न हो। बाजारों व चौराहों पर मेले जैसा माहौल दिखा लोगों ने बढ़ चढ़कर खरीददारी की।

श्रावणी उपाकर्म ब्राह्मणों का सबसे बड़ा त्योहार हैः पं. अरविंद भट्ट

ब्राम्हण वैदिक परम्परा का प्रतीक श्रावणी उपाकर्म आयोजित

पेटलावद। ब्राम्हण एवं वैदिक परम्परा का प्रतीक श्रावणी उपाकर्म (यज्ञोपवीत) रक्षाबन्धन के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आयोजित किया गया। यह आयोजन ब्राह्मण समाज पेटलावद पम्पावती नदी के तट पर स्थित श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पर आयोजित किया गया। पण्डित श्री अरविंद भट्ट द्वारा विधिकर्म सम्पन्न करवाये गए। पंडित आशुतोष दवे सहयोगी के रूप में साथ रहे। इस महत्वपूर्ण संस्कार में ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोज जानी, महेंद्र द्विवेदी, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र द्विवेदी, अशोक रामावत, हरीश व्यास, जीवन भट्ट, नरेश नारायण शुक्ल, सत्यनारायण जोशी, आशुतोष दवे, निलेश भट्ट ने संस्कार लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर पंडित अरविंद भट्ट ने संस्कार करवाते हुए कहा श्रावणी उपाकर्म ब्राह्मणों का सबसे बड़ा त्योहार है। इसके कर्म से आत्म शुद्धि तो होती है साथ मे वर्षभर जाने अनजाने में की गई भूल के किए गए क्षमा का प्राश्चित पूर्वजो व भगवान के माफी मांगकर की जाती है। अध्यक्ष मनोज जानी ने बताया अपनी परम्परा के निर्वहन पर वैदिक लाभ से जो आत्मानुभूति होती इसे व्याख्यित करना तो सम्भव नही।

शंकरगढ़ मन्दिर आम्बुआ से निकली बाबा भोले की शाही सवारी

आम्बूआ- श्रावण समाप्ति पर सोमवार को नगर में भोलेनाथ के जयकारे गूंजे। नगर के महादेव का शाही डोला धूमधाम से शाही अंदाज में निकाला गया।

श्रावण मास मैं निरंतर धार्मिकता एवं सूर्य उदय के पहले ग्राम के महिला एवं पुरुष व छोटे-छोटे बच्चे हाथ में कलश लेकर नित्य पूजा अर्चना करने शिव मंदिर जाते हैं।

सावन मास के अंतिम सोमवार को राम मंदिर प्रांगण से बाबा भोले की शाही सवारी निकाली गई । ग्राम के प्रमुख मार्गो से होते हुए बैंड - बाजे के साथ बम बम भोले के नारे लगाते हुए भक्तजन निकले! शंकरगढ़ मंदिर के पुजारी शंकरलाल पारीक ने बताया कि प्राचीन समय से बने मंदिर होने से यहां काम अधिक महत्व है । इस प्रांगण में राम मंदिर, शिव मंदिर, बालाजी मंदिर, अंबे मां मंदिर एवं भेरुजी का स्थान है ! आज इस पवित्र स्थान से बाबा भोले की सावन मास के अंतिम शोभायात्रा निकल गई! जगह जगह भक्त जनो द्वारा बाबा भोले की पूजा अर्चना की गई। शोभायात्रा ग्राम भ्रमण के बाद पुन शंकरगढ़ शंकरगढ़ पहुंची जहां पर महा आरती कर प्रसादी वितरण की गई। इस शोभायात्रा की व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी योगेंद्र मंडलोई अपनी टीम के साथ व्यवस्था देख रहे थे।

नगर में स्वतन्त्रता दिवस का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

बाग नगर में 78 व स्वतंत्रता दिवस पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया ।शासकीय और निजी संस्थाओं के द्वारा अपने-अपने संस्थाओं और कार्यालय में शान से तिरंगा फहराया गया ।शासकीय और निजी संस्थाओं के शिक्षक शिक्षिकाओं ने पूरे नगर में अपने छात्र-छात्राओं के साथ प्रभात फेरी निकाली ।जिसमें सभी बच्चे तिरंगा हाथ में लेकर चल रहे थे । तहसील कार्यालय में आईएएस अधिकारी नायब तहसीलदार श्री वसीम भट्ट ने समस्त स्टाफ के साथ झंडा वंदन किया ।विजयस्तम्भ चौराहे पर सरपंच धर्मेंद्र बामनिया ने झंडा वंदन विया ।भारतीय जनता पार्टी मंडल बाग द्वारा पोस्ट आफिस चौराहे पर पुर्व मंडल अध्यक्ष इंदरसिंह डामोर ने ,मोड़ में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष उपसरपंच रोहित झंवर ने । पुलिस थाने में थाना प्रभारी कैलाश चौहान ,जनपद पंचायत कार्यालय में माजेदा खान , विकास खण्ड शिक्षा कार्यालय में अधिकारी श्री अरविंद नायक , बीआरसी कार्यालय में बीआरसी श्रीमती ललिता जैन ने झंडा वंदन किया।

ब्लिंकन बोले- हमास भी शर्तें मानें वर्ना...

इजराइल को गाजा युद्धविराम पर अमेरिकी प्रस्ताव मंजूर

तेल अवीव/काहिरा। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद घोषणा की कि इजरायल ने गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इस प्रस्ताव में हमास की चिंताओं का समाधान किया गया है या नहीं। ब्लिंकन ने इजरायल के इस कदम की सराहना की और हमास से भी इसी तरह की जिम्मेदारी दिखाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि यह गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने का एक निर्णायक क्षण हो सकता है। ब्लिंकन, इजरायल में वार्ता के बाद, अगले दौर की बातचीत के लिए मिस्र और कतर का दौरा करेंगे। ये दोनों देश, अमेरिका के साथ मिलकर, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों में जुटे हैं।

गुरुवार और शुक्रवार को दोहा में हुई दो दिवसीय वार्ता के बाद, अब अगले हफ्ते काहिरा में आगे की चर्चा होगी। मध्यस्थों ने अब तक की बातचीत को सकारात्मक बताया है, लेकिन हमास ने दोहा में रखे गए प्रस्ताव को इजरायल की शर्तों के अनुसार बताते हुए इसकी आलोचना की है।

ब्लिंकन की पश्चिम एशिया यात्रा युद्धविराम की अंतिम कोशिश

गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से यह ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की नौवीं यात्रा है। रविवार को इजरायल पहुंचने के बाद उन्होंने इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से भी मुलाकात की। इस वार्ता में हर्जोग ने हमास पर बंधकों की रिहाई में देरी कर, वार्ता को विफल करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही, उन्होंने वार्ता में सहयोग के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, मिस्र और कतर की सराहना की।ब्लिंकन ने इस पर बल दिया कि यह युद्ध का एक महत्वपूर्ण क्षण है और दोनों पक्षों के पास शांति स्थापित करने का शायद अंतिम मौका है। अब, ब्लिंकन की काहिरा यात्रा और वहां होने वाली वार्ता से यह देखा जाएगा कि क्या युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर कोई ठोस समाधान निकल पाता है या नहीं। गाजा में शांति स्थापित करने के प्रयासों में यह वार्ता निर्णायक साबित हो सकती है।

तेल अवीव बम विस्फोट में एक की मौत, हमास ने ली जिम्मेदारी

वहीं, युद्धविराम वार्ता के बीच रविवार रात तेल अवीव में एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इजरायली अधिकारियों ने इस हमले को आतंकी घटना बताया है और हमास एवं इस्लामिक जिहाद ने इसकी जिम्मेदारी ली है। इजरायली पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।इसके अलावा, इजरायली सेना ने जानकारी दी कि सोमवार को लेबनान की सीमा से सटे उत्तरी इजरायल में हुए हमले में एक इजरायली सैनिक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

ढाका में बड़ा पुलिस फेरबदल, 32 पुलिस थानों के प्रमुखों का हुआ तबादला

इंटरनेशनल डेस्क। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के हटने के बाद पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए, 18 प्रभारी अधिकारियों के तबादले के कुछ दिनों बाद ढाका के 32 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तबादले का आदेश रविवार आधी रात को आया। नवीनतम तबादले के साथ ही, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अंतर्गत आने वाले सभी 50 पुलिस थानों के प्रमुखों का तबादला कर दिया गया है। अन्य 18 प्रभारी अधिकारियों का तबादला 13 अगस्त को किया गया था।

खबर के मुताबिक, स्थानांतरित किए गए लोगों के पास अब वह अधिकार नहीं होंगे, जो उनके पास प्रमुख के रूप में थे। इन अधिकारियों को देश भर के प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा गया है, जहां उन्हें पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने का काम सौंपा गया है। अन्य को पर्यटक पुलिस, सशस्त्र पुलिस बटालियन या औद्योगिक पुलिस में स्थानांतरित किया गया है। पांच अगस्त को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद से पुलिस में सभी स्तरों पर फेरबदल हुआ है। सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन के बाद 76 वर्षीय हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं। इसके बाद देश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया, और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया।

खबर के मुताबिक, 13 अगस्त को गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग से जारी तीन अलग-अलग नोटिस में तीन अतिरिक्त आईजी सहित 51 पुलिसकर्मियों को बदल दिया गया। शनिवार को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त उपायुक्त और सहायक आयुक्त रैंक के 13 अधिकारियों को शहर से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद उसी दिन डीएमपी उपायुक्त के पदों पर सात अन्य अधिकारियों को नियुक्त किया गया। रविवार को 73 पुलिस अधिकारियों को उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया और उनमें से 31 को पुलिस अधीक्षक के पद से पदोन्नत किया गया, जिन्हें दोहरी पदोन्नति मिली। हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद देशभर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए। इन्हें मिलाकर, जुलाई के मध्य में छात्रों द्वारा शुरू किए गए विरोध-प्रदर्शन के बाद से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, संघर्ष में कम से कम 44 पुलिसकर्मी मारे गए हैं।

रक्षाबंधन पर परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

भाई ने अभी भाद्र है कहकर नहीं बंधवाई राखी, बहन ने फांसी लगाकर दी जान

नेशनल डेस्क। एक दुखद घटना में, एक भाई के राखी नहीं बंधवाने पर उसकी बहन ने आत्महत्या कर ली। मामला यह था कि भाई ने अभी भाद्र है कहकर राखी बंधवाने से मना कर दिया और घर से बाहर चला गया। यह बात बहन के दिल पर इतनी गहरी चोट कर गई कि उसने अपनी जान देने का फैसला कर लिया।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के कानपुर में राखी के दिन एक 14 साल की लड़की ने अपने भाई से नाराज होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना कानपुर के घाटमपुर में साढ़ थाना क्षेत्र के बैजूपुर गांव की है। पुलिस ने लड़की के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना का विवरण

बैजूपुर गांव निवासी शोभित (20) ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन उससे करीब 6 साल छोटी थी। पिछले कुछ दिनों से भाई-बहन के बीच किसी बात को लेकर तकरार चल रही थी। राखी के दिन सुबह शोभित को अपनी मां के साथ ननिहाल जाना था। जब वह तैयार होकर जाने लगा, तो उसकी बहन ने राखी बांधने की बात कही। लेकिन शोभित ने भद्रा का हवाला देते हुए कहा कि वह ननिहाल से लौटकर राखी बंधवाएगा।

बहन ने उठाया कठोर कदम

शोभित के जाने के बाद उसकी बहन ने ऊपर के कमरे में जाकर पंखे के कुंदे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। जब शोभित ननिहाल से वापस लौटा और कमरे में गया, तो उसने अपनी बहन का शव फंदे से लटका हुआ पाया। उसने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की कार्रवाई

एसीपी रंजीत कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी शोभित ने ही पुलिस को दी थी। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है, और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

क्या है भाद्र?

भाद्र, हिन्दू पंचांग के अनुसार, एक ऐसा समय होता है जिसे कई शुभ कार्यों के लिए अशुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दौरान कुछ विशेष धार्मिक कार्य, जैसे राखी बांधना, नहीं किए जाने चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्री ने पीएम मोदी को राजकीय यात्रा का दिया निमंत्रण

1000 मेगावाट बिजली देने का किया वादा

नेशनल डेस्क। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने अपने भारत दौरे के दौरान सोमवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान, देउबा ने प्रधानमंत्री मोदी को नेपाल की राजकीय यात्रा के लिए निमंत्रण दिया, जिससे भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी बैठक के बाद, देउबा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि नेपाल भारत को लगभग 1000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा।

पहले चरण में, नेपाल बिहार और हरियाणा के लिए 251 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा। जयशंकर ने इस कदम को एक नया मील का पत्थर बताया और दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, संपर्क और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। देउबा ने इस यात्रा को अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल के बीच ऊर्जा, व्यापार और बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई और इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। जयशंकर ने भी कहा कि भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संपर्क उनके संबंधों को और मजबूत करते हैं।

नेपाल ने भारतीय मुद्रा में प्रति यूनिट 5 रुपये 45 पैसे के हिसाब से बिजली बेचने का प्रस्ताव दिया है। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि सीमा पार व्यापार के लिए नामित प्राधिकरण ने नेपाल की 12 जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट बिजली के निर्यात को मंजूरी दे दी है। इससे पहले, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया था।

अब इस निमंत्रण को आरजू राणा देउबा ने औपचारिक रूप से पीएम मोदी को सौंपा है।

सिसिली अपतटीय क्षेत्र में पर्यटकों को ले जा रही नौका डूबी

15 को बचाया गया...7 लोग लापता

इंटरनेशनल डेस्क। सिसिली अपतटीय क्षेत्र में सोमवार सुबह खराब मौसम के कारण एक नौका डूब गई, जिसमें विदेशी पर्यटक सवार थे। नौका पर सवार 15 लोगों को बचा लिया गया और 7 लोग लापता हैं।

49 मीटर लंबी नौका से 15 लोगों को बचा लिया गया...

इतालवी अग्निशमन बचाव सेवा के प्रवक्ता लुका कैरी ने बताया कि 49 मीटर लंबी नौका से 15 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन सात अन्य लापता हैं। उन्होंने बताया कि तटरक्षक और अग्निशमन सेवा विभाग की ओर से एक हेलीकॉप्टर तथा बचाव नौकाएं घटनास्थल पर मौजूद हैं

और लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना पालेर्मो के पास सुबह पांच बजे हुई जहां पूरी रात भयंकर तूफान देखा गया।

'डेली 2 गियोर्नेल डी सिसिलिया के अनुसार, नौका पर ब्रिटिश झंडा था और उसमें अधिकतर ब्रिटिश यात्री सवार थे, लेकिन इसमें न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और ब्रिटिश-फ्रांसीसी नागरिक भी थे। समाचार एजेंसी एएनएसए ने बताया कि नौका का नाम 'बाजेसियन था और यह पोर्टिसेलो बंदरगाह क्षेत्र में थी तथा रविवार शाम को रवाना हुई थी।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। 'एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं।

कमला हैरिस की बढ़ी लोकप्रियता, जो बाइडन और ट्रंप को छोड़ा पीछे...लोगों की बनीं पहली पसंद

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। 'एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च% के एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं।

हैरिस ने बाइडन की लोकप्रियता को भी छोड़ दिया है पीछे

गर्मी की शुरुआत में ऐसे अमेरिकियों की संख्या 39 प्रतिशत थी, लिहाजा अब इसमें वृद्धि देखी गई है। उस समय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद अंततः जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी से हटना पड़ा था। हैरिस ने न केवल अपनी लोकप्रियता में सुधार किया है बल्कि उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर बाइडन की लोकप्रियता को भी पीछे छोड़ दिया है, जिनके बारे में 38 प्रतिशत अमेरिकियों ने अनुकूल विचार प्रकट किए थे। इसके अलावा हैरिस ट्रंप से भी आगे हैं, जिनके बारे में 41 प्रतिशत वयस्क अनुकूल विचार रखते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार से शुरू हो रहा है।

अमेरिका में नवंबर में होगा राष्ट्रपति चुनाव

सम्मेलन के दौरान हैरिस (59) बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए भाषण देंगी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिसके लिए डेमोक्रेटिक पार्टी ने हैरिस को अपना उम्मीदवार बनाया है।

उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569